दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
बर्षः- 05
अंकः- 138
मुरादाबाद
(Tuesday)
09 September 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सहारनपुर पहुंचे सीएम योगीः आपदा पीड़ितों को दी 10 करोड़ की मदद; राहत सामग्री के ट्रकों को दिखाई हरी झंडी

सहारनपुर पहुचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश को पांच-पांच करोड़ की सहायता देने का ऐलान किया। उन्होंने पंजाब, हिमाचल और उत्तराखंड के लिए राहत सामग्री से भरे ट्रकों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जिले में नुकसान की भरपाई के लिए सर्वे के आदेश दिए गए हैं।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को

सहारनपुर पहुंचे। यहां उन्होंने आपदा प्रभावित राज्यों के लिए बड़ी राहत की घोषणा की। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश को उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पांच-पांच करोड़ रुपये की सहायता राशि दी जाएगी।मुख्यमंत्री ने सहारनपुर से पंजाब और हिमाचल प्रदेश के लिए तथा हल्द्वानी से उत्तराखंड के लिए राहत सामग्री से भरे ट्रकों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि लखनऊ ही नहीं, बल्कि पूरा सहारनपुर भी आपदा पीड़ितों के साथ खड़ा है।सीएम योगी ने जिले में आई आपदा से हुए नुकसान का सर्वे कराने के निर्देश दिए और भरोसा दिलाया कि जल्द ही प्रभावितों को मुआवजा दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

ट्रेन में चढ़ने के लिए मारामारी, कैंट रेलवे स्टेशन पर उमड़ी अभ्यर्थियों की भीड़

प्रारंभिक अर्हता परीक्षा के दूसरे दिन बनारस, वाराणसी सिटी रेलवे स्टेशन और वाराणसी जंक्शन तीनों स्टेशनों पर अभ्यर्थियों की भीड़ जुटी रही। ट्रेनों में चढ़ने के लिए अभ्यर्थियों को मारामारी करनी पड़ी।उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की ओर से कराई गई प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) के दूसरे दिन 36745 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। 66 केंद्रों की परीक्षा छूटते ही अभ्यर्थियों की भीड़ रेलवे स्टेशन पर उमड़ पड़ी। बनारस, वाराणसी सिटी रेलवे स्टेशन और वाराणसी जंक्शन (कैंट स्टेशन) तीनों स्टेशनों पर अभ्यर्थी पहुंचे थे लेकिन सबसे अधिक भीड़ कैंट रेलवे स्टेशन पर दिखी। यहां बाहर से लेकर अंदर प्लेटफॉर्म तक भीड़ उमड़ी रही। ट्रेनों में चढ़ने के लिए अभ्यर्थियों को मारामारी करनी पड़ी।दो दिन तक चलने वाली इस परीक्षा को देने भले ही 72 हजार से अधिक अभ्यर्थी पहुंचे लेकिन बहुत सी महिला अभ्यर्थियों के साथ उनके परिवार के दो से तीन सदस्य भी आए थे। कैंट रेलवे स्टेशन पर सामान्य दिनों में करीब एक लाख से अधिक यात्री आते-जाते हैं। इस बीच परीक्षा की वजह से भी दो दिन में करीब एक लाख लोग गोरखपुर, प्रयागराज, लखनऊ, बिहार, जौनपुर, आजमगढ़, चंदौली, मऊ, गाजीपुर आदि जगहों से यहां आए। यह रहा कि प्लेटफॉर्म नंबर दो, पांच, छह से जाने वाली ट्रेनें खचाखच भरी रहीं। स्टेशन पर बने हेल्पडेस्क पर भी अभ्यर्थी ट्रेनों के आने जाने की जानकारी पूछते रहे।

नेपाल में सोशल मीडिया बैनः सड़क पर युवाओं का बवाल, संसद भवन में भी घुसे; पुलिस फायरिंग में आठ की मौत, 42 घायल

भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध लगाने के सरकार के फैसले के खिलाफ नेपाल में युवाओं ने सोमवार को काठमांडू में जमकर विरोध प्रदर्शन किया। जेनरेशन जेड पीढ़ी के युवाओं ने सड़कों पर सरकार के फैसले के खिलाफ आवाज बुलंद की। प्रदर्शन के दौरान लोग काफी उग्र हो गए। देखते ही देखते हालात इतने बिगड़ गए कि पुलिस को हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले भी दागे।नेपाल में सरकार के भ्रष्टाचार और हाल ही में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के खिलाफ प्रदर्शन तेज हो गए हैं। जेनेरेशन जेड (ह्वद्ग्ठ्ठ) ने सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया। युवाओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कई प्रदर्शनकारी संसद भवन में भी घुस गए। सुरक्षा बलों की ओर से जब उन्हें रोकने की कोशिश की गई, तब वे और बेकाबू हो गए और बैरिकेड कूदकर इधर-उधर भागने लगे। इस दौरान सुरक्षा बलों पर पथराव भी किया गया। पुलिस ने हालात पर काबू पाने के लिए हल्का लाठी चार्ज किया। आंसू गैस के गोले छोड़े। पानी की बौछार की और कुछ जगहों पर फायरिंग भी की। इस दौरान आठ की मौत हो गई और 42 लोग घायल हो गए। काठमांडू के न्यू बानेश्वर और झापा जिले के दमक में सबसे ज्यादा हालात खराब हैं।द हिमालयन टाइम्स के मुताबिक, न्यू बानेश्वर में हिंसक झड़पों के दौरान गोली लगने से घायल हुए प्रदर्शनकारी ने सिविल अस्पताल में इलाज के दौरान

दम तोड़ दिया। इस समय कई घायल व्यक्तियों की पहचान अब भी ज्ञात नहीं है। दमक में प्रदर्शनकारियों ने दमक चौक से नगरपालिका कार्यालय की ओर मार्च किया, जहां उन्होंने नेपाली प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली का पुतला फूंका और कार्यालय के द्वार तोड़ने का प्रयास किया। हालात और न बिगड़ें, इसके लिए सेना को मोर्चे पर उतार दिया गया है।न्यू बानेश्वर में प्रदर्शन के दौरान पुलिस की गोलीबारी में कुछ प्रदर्शनकारी घायल भी हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए एवरेस्ट अस्पताल, सिविल अस्पताल और आसपास के अन्य अस्पतालों में ले जाया गया है। कार्यकर्ता रोनेश प्रधान ने बताया कि हामी नेपाल संगठन ने प्रदर्शनकारियों को प्राथमिक उपचार प्रदान करने के लिए मैतीघर में एक प्राथमिक चिकित्सा शिविर स्थापित किया है। प्रधान ने कहा, %मैतीघर में छह से सात लोगों का इलाज चल रहा है, जबकि ज्यादातर घायल एवरेस्ट अस्पताल में हैं।%हालांकि, घायलों की सटीक संख्या की पुष्टि अब तक नहीं हुई है।बताया गया कि सोमवार सुबह 9 बजे से प्रदर्शनकारी काठमांडू के मैतीघर में एकत्रित होने लगे। हाल के दिनों में %नेपो किड% और %नेपो बेबीज% जैसे हैशटैग ऑनलाइन ट्रेंड कर रहे हैं। सरकार की ओर से अपंजीकृत प्लेटफॉर्म्स को ब्लॉक करने के फैसले के बाद इसमें और तेजी आई है। काठमांडू जिला प्रशासन कार्यालय के अनुसार, %हामी नेपाल% ने इस रैली का आयोजन किया था। इसके लिए पूर्व अनुमति ली गई थी। समूह के अध्यक्ष सुधन गुरुंग ने कहा कि यह विरोध प्रदर्शन सरकारी कार्रवाइयों और भ्रष्टाचार के विरोध में था। देश भर में इसी तरह के प्रदर्शन हो रहे हैं। उन्होंने छात्रों से भी अपनी यूनिफॉर्म पहनकर और किताबें लेकर प्रदर्शन में शामिल होने का आग्रह किया।सरकार के मुताबिक, नेपाल में सोशल मीडिया कंपनियों को पंजीकरण के लिए 28 अगस्त से सात दिन का समय दिया गया था। बीते बुधवार को जब समय सीमा समाप्त हो गई, तब भी किसी भी बड़े सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म - जिसमें मेटा (फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप), अल्फाबेट (यूट्यूब), एक्स (पूर्व में ट्विटर), रेडिट और लिंक्डइन शामिल थे, पंजीकरण नहीं कराया। जिसके बाद सरकार ने गुरुवार से इन कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया। सरकार का कहना है कि फर्जी आईडी से जुड़े यूजर्स इन प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल नफरत फैलाने, अफवाहें फैलाने और साइबर अपराधों के लिए कर रहे थे। इससे समाज में अशांति और असामाजिक गतिविधियां बढ़ रही थीं।

राहुल बोले- ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना एक दुस्साहस;किसानों के दर्द का मजाक उड़ाने पर BJP हमलावर

सोनिया गांधी के बाद अब राहुल गांधी ने भी ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने सोनिया गांधी का लेख एक्स पर शेयर किया और इस परियोजना को एक दुस्साहस बताया है। वहीं भाजपा ने कांग्रेस पर किसानों का अपमान करने का आरोप लगाया है।कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% पर कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी का एक लेख साझा किया। इस लेख के जरिए उन्होंने ग्रेट निकोबार आइलैंड प्रोजेक्ट को लेकर गंभीर चिंताएं जताईं और इसे स्थानीय आदिवासियों व पर्यावरण के लिए खतरा बताया। राहुल गांधी ने लिखा, %ग्रेट निकोबार आइलैंड प्रोजेक्ट एक गलत कदम है, जो आदिवासी अधिकारों को कुचलता है और कानूनी प्रक्रियाओं की अनदेखी करता है।सोनिया गांधी ने मामले पर

लिखा लेख सोनिया गांधी ने एक समाचार पत्र में लिखे अपने संपादकीय में कहा कि यह प्रोजेक्ट दुनिया के सबसे संवेदनशील और अनोखे पारिस्थितिकी तंत्र को खतरे में डाल देगा और यहां की आदिवासी जनजातियों के अस्तित्व के लिए गंभीर चुनौती बनेगा। उन्होंने 72,000 करोड़ रुपये की इस परियोजना को पूरी तरह गलत खर्च बताते हुए कहा कि 2004 की सुनामी के समय जिन निकोबारी आदिवासियों को अस्थायी रूप से गांव छोड़ने पड़े थे, अब यह प्रोजेक्ट उन्हें हमेशा के लिए विस्थापित कर देगा। सोनिया गांधी ने विशेष रूप से शोमपेन जनजाति का जिक्र करते हुए कहा कि यह प्रोजेक्ट उनके लिए और भी खतरनाक है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने बड़े पैमाने पर विकास के लिए बनाए गए कानूनों और जनजातीय अधिकारों की रक्षा करने वाली संवैधानिक संस्थाओं की अनदेखी की है। भाजपा का कांग्रेस पर किसानों का अपमान करने का आरोप दूसरी ओर, भाजपा नेता अमित मालवीय ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर किसानों का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए लिखा, %अगली बार जब राहुल गांधी या कांग्रेस किसानों की बात करें, तो उन्हें यह वीडियो जरूर याद दिलाएं। उनके अपने अध्यक्ष ने किसानों के दर्द का मजाक उड़ाते हुए कहते हैं कि हमेशा रोते और पब्लिसिटी मत लो।% अमित मालवीय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों की आय दोगुनी करने और आधुनिक खेती तकनीकों को अपनाने में मदद की, जबकि कांग्रेस ने सिर्फ किसानों को निराश किया

आधार मतदाता सूची के लिए वैध पहचान पत्र, पर नागरिकता के लिए नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने किया साफ

सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया कि आधार कार्ड को नागरिकता का सबूत नहीं माना जा सकता। चुनाव आयोग को बड़ी राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयोग को आधार कार्ड की वैधता जांचने का पूरा अधिकार होगा।बिहार मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण मामले में सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि आधार, मतदाता सूची के लिए वैध पहचान पत्र है, लेकिन इसे नागरिकता का सबूत नहीं माना जा सकता। सोमवार को बिहार मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण मामले पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि वे आधार कार्ड को 12वां दस्तावेज

मानें ताकि मतदाता वोटर लिस्ट में नाम शामिल कराने के लिए आधार कार्ड को भी पेश कर सकें।चुनाव आयोग पहले ही 11 दस्तावेजों की सूची जारी कर चुका है, जिन्हें दिखाकर मतदाता, वोटर लिस्ट में अपना नाम शामिल कर सकते हैं। पहले इन दस्तावेजों में आधार कार्ड शामिल नहीं था, लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने आधार कार्ड को बतौर 12वां दस्तावेज मानने का आदेश दिया है। शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग से अपने सभी अधिकारियों को निर्देश जारी करने को भी कहा है ताकि आधार कार्ड को स्वीकार किया जा सके। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया कि आधार कार्ड को नागरिकता का सबूत नहीं माना जा सकता। चुनाव आयोग को बड़ी राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयोग को आधार कार्ड की वैधता जांचने का पूरा अधिकार होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि %केवल वास्तविक नागरिकों को ही वोट देने की अनुमति होगी, जाली दस्तावेजों के आधार पर असली होने का दावा करने वालों को मतदाता सूची से बाहर रखा जाए।

सभी यूनिवर्सिटी व कॉलेजों में मान्यता और प्रवेश प्रक्रिया की होगी जांच, सीएम ने 15 दिन में तलब की रिपोर्ट

यूपी में विश्वविद्यालयों व कॉलेजों में मान्यता और प्रवेश प्रक्रिया की जांच की जाएगी। सीएम योगी ने इसके लिए आदेश जारी कर दिया है। हर मंडल में विशेष जांच टीम का गठन किया जाएगा। यह टीम हर जिले में जाकर गहनता से जांच करेगी। जांच के बाद 15 दिन में शासन को रिपोर्ट भेजनी होगी। अनियमितता पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। उत्तर प्रदेश में सभी विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों में संचालित पाठ्यक्रमों की मान्यता व प्रवेश प्रक्रिया की गहन जांच की जाएगी। सीएम योगी आदित्यनाथ ने यह आदेश दिए हैं। बाराबंकी जिले के श्री रामस्वरूप विश्विद्यालय में फर्जी डिग्री को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठी चार्ज के बाद सीएम ने यह बड़ा फैसला लिया है। सीएम के आदेश के बाद सभी मण्डलायुक्त अपने-अपने क्षेत्र में आने वाले जनपदों में विशेष जांच टीम का गठन करेंगे। टीम में एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, एक पुलिस विभाग का अधिकारी और एक शिक्षा विभाग का अधिकारी अनिवार्य रूप से शामिल किया जाएगा। यह टीम जमीनी स्तर पर जांच करके संस्थानों की मान्यता और प्रवेश प्रक्रिया की हकीकत परखेगी।जांच के दौरान प्रत्येक शैक्षणिक संस्था से शपथ पत्र लिया जाएगा। इसमें यह स्पष्ट करना होगा कि संस्थान केवल उन्हीं कोर्सों का संचालन कर रहा है, जिन्हें नियामक निकाय, विश्वविद्यालय या बोर्ड से मान्यता प्राप्त है। इसके साथ ही, संचालित सभी कोर्स की सूची और उनके मान्यता-पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। किसी भी छात्र का दाखिला बिना मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम में नहीं होना चाहिए। अनियमितता पर होगी कठोर कार्रवाई यदि जांच में किसी संस्थान में अवैध प्रवेश या बिना मान्यता के कोर्स संचालित पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। यही नहीं संस्थान को छात्रों का पूरा शुल्क ब्याज सहित वापस करना होगा। साथ कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेगी। 15 दिन में शासन को भेजनी होगी रिपोर्ट टीम जांच करके 15 दिन के अंदर शासन को रिपोर्ट भेजेगी। सीएम योगी ने कहा कि यह कार्यवाही सिर्फ औपचारिकता नहीं, बल्कि छात्रों के भविष्य और शिक्षा की गुणवत्ता से जुड़ा संवेदनशील मुद्दा है।

संपादकीय Editorial

Will Trump roll back the tariffs?

Apple has earned Rs 67,000 crore from India. Amazon has earned Rs 40,000 crore. Google has made Rs 22-23,000 crore and Meta has earned almost the same. All these are American companies and India is their biggest market. Their plants in India will either be active or in the process of being set up! There will be many more American companies which are doing business in India and making huge profits. These companies also have the maximum number of customers and users in India. This profit is going to America. What is President Trump thinking about India now? Since American companies are manufacturing in India and the goods are going to the American market, will President Trump impose 50 percent tariff on these products too? Rather, Trump is giving clarifications on tariffs every day. Sources in the Commerce Ministry of the Government of India believe that President Trump can reconsider the tariff within 100 days and withdraw his decision, so he has requested the Supreme Court to hear the tariff case as soon as possible and declare it 'valid'. It is already decided that the court will start hearing in the month of November. President Trump is also worried because the world is getting divided between two poles and America fears that the 'Cold War' may start once again. America's power is also getting divided. Now countries are not ready to accept America's 'bullying'. President Trump and American ministers still consider India as their 'best friend'. American experts also believe that President Trump is ruining the power that the country's presidents had earned through decades of hard work, diplomacy, foresight and mobilization of countries and made America the largest economy of more than 25 trillion dollars. America made a strategy to put pressure on India with 50 percent tariff, but India joined Russia and China on the other pole. 50 other countries, BRICS and SCO countries came forward in its support. India's Commerce and Industry Minister Piyush Goyal has revealed in an interview that India is going to sign a trade agreement with Australia and Oman soon. Talks are going on with 50 other countries regarding India's export possibilities. It is almost certain that a trade agreement will be signed with America by November. India can become the third largest economic superpower in the world within the next two years. The question is whether Trump has a problem with India or Russia and China? India has not imposed any tariff on America in return. American companies are signing agreements worth billions of dollars with Indian public and private companies. An official who was the National Security Advisor to the US President has warned the President about the possibility of recession in America. Such analysis has also come out that one-third of the industries are already facing economic crisis. In such a situation, why is trade with India being reduced? There is no justification for tariffs, because apart from India, China, America and European countries are also doing oil and gas business with Russia. President Trump should improve his habit of accusing. He has now accused China of plotting against America. Actually, America is getting isolated in the changing global scenario. Limiting good relations only to tariffs will be harmful for Trump and America. Even when the Cold War started after the Second World War, India stood firmly for its non-alignment, away from both the poles. Anyway, whatever decision has to be taken, it has to be taken by President Trump and America.

Devastating form of floods, concrete steps needed

Bridges were washed away, roads were broken and houses were damaged at many places in Uttarakhand, Himachal and Jammu and Kashmir. There was a considerable loss of life and property. Along with this devastation in the mountainous areas, floods also wreaked havoc in the plains. The water level in the rivers in Punjab and Haryana suddenly increased and the water stored in the dams had to be released. The way heavy rainfall occurred and is still occurring in North and West India this year, it has pushed many states into a terrible situation of floods. Usually the horror of floods is seen in the north-eastern states and Bihar, because these areas are traditionally known for the overflowing of rivers, but this time a different situation is being seen. Along with the mountainous states like Uttarakhand, Himachal Pradesh and Jammu and Kashmir, Punjab, Haryana, Delhi, Rajasthan, Gujarat and Maharashtra are also facing the wrath of floods. Delhi is also plagued by the problem of floods and in Punjab, the form of floods is so terrible, which has never been seen before in recent times. This cannot be called just a natural disaster, but it is also the result of changing weather cycle and government machinery as well as the negligence of common people. Rivers overflowed due to excess rain in hilly states. Rainfall always has a greater impact in these states because the geographical situation here is fragile. Villages and towns situated on the slopes are in danger even with a little heavy rain. This time the situation became more serious because incidents like cloudburst further increased the devastation. Bridges were washed away, roads were broken and houses were damaged at many places in Uttarakhand, Himachal and Jammu and Kashmir. There was a considerable loss of life and property. Along with this devastation in the mountainous areas, floods also wreaked havoc in the plains. The water level in the rivers in Punjab and Haryana suddenly increased and the water stored in the dams had to be released. Due to this, flood water entered many districts with large population and a situation of panic arose at many places. The situation in Punjab is particularly worrying. This state is not known for floods. There was so much rainfall here that the record of the last 25 years was broken. Thousands of acres of farmland were submerged in this agriculture-dominated state, ruining crops and wasting the hard work of farmers. This is not only an economic crisis, but also a social and human crisis, as the livelihood of lakhs of families dependent on farms was affected. Meteorologists say that this time the north-west and east winds became unusually active, due to which such heavy rains occurred. Climate change experts have been warning for a long time that the weather cycle is no longer going to be stable. Sometimes there will be very little rain, sometimes many times more than normal and that too in a short time. This time we are seeing the same thing. It is true that in the past too, India has sometimes received heavy rainfall, but today's situation is different, because now our population is more, urbanization is fast and the infrastructure is not strong enough. That is why the scope of devastation is more visible. The problem of floods in India is not only natural. Human causes are also responsible for this. Encroachment on rivers and drains has become common. In many places, entire neighborhoods have been settled on the river banks. Even buildings are constructed by blocking the drains. Big cities like Delhi and Mumbai are also not untouched by this. The result is that even a little rainfall during rainy days causes waterlogging. Roads remain jammed for hours and normal life gets disrupted. People are not able to reach work on time. This is also a kind of loss. Another aspect of this problem is the sewage system of cities. The sewage system is poor in most cities. The sewage dirt reaches the rivers directly through drains and increases the amount of silt. Due to this, the rivers become shallow and overflow quickly during the rainy season. The work of removing silt is not done regularly and seriously, rather it is often limited to formality. Apart from this, standards are also ignored in building construction and road construction. Poor engineering and corruption in the construction of infrastructure have made the infrastructure weak. This is the reason why our cities are not able to bear heavy rainfall. It is also worth noting that the rivers originating from the Himalayas bring sand and silt with them to the region of Asia where India is located. These rivers become more shallow upon reaching the plains. In view of this, there is a need to be more cautious. It is clear that governments cannot escape their responsibility by simply blaming climate change. They will have to fulfill their part of the responsibility as well. There is no denying that the changing weather cycle is a challenge, but it can be dealt with if farsighted policies and concrete plans are implemented properly. If the standards of building construction are controlled, encroachment on rivers and drains is stopped, sewage and drainage system is improved, then the devastation of floods can be reduced to a great extent. The central and state governments will have to work together to save India from the horror of floods every year. The problem will not be solved by short-term measures. Long-term plans are needed. In this, the work of removing silt from the rivers will have to be done honestly, modern machinery for drainage will have to be developed and the infrastructure will have to be built according to the set standards. It also needs to be ensured that plans are made keeping in mind the rapidly increasing population density in cities If concrete steps are not taken in time, the effects of climate change and urban chaos can be seen in an even more devastating form in the coming years. The damage caused by this will definitely hinder the progress of the country and as a result it will be difficult to fulfill the dream of a developed India properly.

Canada's admission, Khalistan supporters are getting financial help

India cannot ignore the fact that just as Khalistani elements were protected in Canada for narrow political reasons, similarly, leniency is shown towards them in some other countries as well. Is it hidden from anyone that apart from Canada, extremist Khalistanis keep getting out of control in other countries of the I-5 group - Britain, Australia, New Zealand and America? At least India cannot be surprised by this report of the Finance Department of the Canadian Government that pro-Khalistan extremist organizations are not only active on its soil, but they are also getting financial help. Even though the Canadian Government has accepted this truth for the first time, but the reality is that evidence of this happening there was already being found. The activities of extremist Khalistani elements active in Canada have never been hidden from anyone. A major reason for their activity was Justin Trudeau who was out of power. They not only turned a blind eye to the Khalistani groups spewing venom against India, but were also supporting them directly and indirectly in the greed for vote bank. Due to this support, the audacity of pro-Khalistan elements had increased. They used to attack temples from time to time and also threatened the officials of the Indian High Commission. Apart from this, they also used to fuel separatism and terrorism in India. The limit was crossed when the previous government of Canada accused India of the murder of pro-Khalistan terrorist Nijjar who had fled from Punjab. After this, the relations between Canada and India deteriorated so much that both the countries had to ask each other's diplomats to leave the country. It can be easily understood that the Finance Department of Canada exposed the activities of pro-Khalistan extremist elements in their country because the new Prime Minister there is keen to improve relations with India. Even after this, India cannot be satisfied with just the fact that Canada has finally officially admitted that extremist Khalistani organizations are earning money on its soil by misusing charity funds as well as by smuggling of drugs, weapons and theft of vehicles. India will have to keep an eye on the fact that the Canadian government does not limit itself to only admitting the illegal activities of Khalistani extremists. It will also have to see that the Canadian government curbs these activities. This is more so because extremist pro-Khalistanists from Canada try to run their activities in Punjab of India as well. India cannot ignore the fact that just as Khalistani elements were protected in Canada for narrow political reasons, similarly, leniency is shown towards them in some other countries as well. Is it hidden from anyone that apart from Canada, extremist Khalistanis keep getting out of control from time to time in other countries of the I-5 group - Britain, Australia, New Zealand and America?

हिस्ट्रीशीटर की हत्या के बाद मुरादाबाद में तनाव, भारी पुलिस बल तैनात, नशा तस्करी की रंजिश में वारदात

नशे के धंधे में कमल दे रहा था चुनौती...शनि दिवाकर को था सफेदपोशों का संरक्षण; मुरादाबाद हत्याकांड की कहानी

मुरादाबाद में नशे के तस्करी को लेकर बढ़ती रंजिश में हिंदू समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष कमल चौहान की रविवार शाम गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के दूसरे दिन डबल फाटक इलाके में तनाव बना हुआ है। इलाके पुलिस ने भारी बल तैनात किया।नशे की तस्करी में बढ़ती रंजिश में हिंदू समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष कमल चौहान की दूसरे गुट ने गोलीमार हत्या कर दी। घटना के बाद दूसरे दिन

डबल फाटक इलाके में तनाव बना हुआ है। हंगामे की आशंका के चलते पुलिस ने क्षेत्र में भारी बल तैनात कर दिया है। रविवार शाम करीब छह बजे कमल चौहान अपने पड़ोसी विशाल चौहान के साथ स्कूटी पर घर लौट रहे थे। जैसे ही वह करबला इलाके में पहुंचे वहां पहले से घात लगाए हिस्ट्रीशीटर सनी दिवाकर और उसके साथियों ने उन्हें घेर लिया। इसके बाद सीने व सिर में दो गोलियां मारकर हत्या कर दी।सोमवार दोपहर पुलिस ने कमल चौहान का पोस्टमार्टम कराया। इसके बाद शव को उनके घर लाया गया, जहां बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि हत्या के मामले में तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। मुख्य आरोपियों की तलाश जारी है।कमल पर मादक पदार्थों की तस्करी समेत आठ मुकदमे दर्ज थे। फरवरी में उन्हें सवा किलो चरस के साथ गिरफ्तार किया गया था। उसे 13 जून को जमानत पर रिहा किया गया था। जेल से लौटने के बाद उन्होंने चरस बिक्री फिर से शुरू कर दिया था। हिस्ट्रीशीटर सनी दिवाकर भी क्षेत्र में नशीले पदार्थ सप्लाई करने लगा था, जिससे दोनों के बीच रंजिश बढ़ गई थी।कुछ दिन पहले मिली थी धमकी नशे के धंधे को लेकर हिस्ट्रीशीटर कमल चौहान और गैंगस्टर शनि दिवाकर आमने सामने थे। करुला क्षेत्र में करीब 16 साल से नशे का धंधे चला रहे शनि दिवाकर को पांच साल से कमल चौहान से चुनौती मिलने लगी थी। लाखों की कमाई वाले इस धंधे को हाथ से जाता देख शनि दिवाकर ने कमल को रास्ते से हटाने की ठान ली। रविवार को कमल की हत्या कर उसे अंजाम भी दे दिया।पुलिस के मुताबिक डबल फाटक संजय नगर निवासी हिस्ट्रीशीटर शनि दिवाकर की हिस्ट्रीशीट संख्या 48-ए है। पुलिस रिकॉर्ड में शनि दिवाकर सक्रिय हिस्ट्रीशीटर है। 2008 में शनि दिवाकर ने जरायम की दुनिया में कदम रखा। पुलिस ने उसके खिलाफ चोरी का पहला केस दर्ज किया था। इसके बाद उसने 2009 में क्षेत्र के एक व्यक्ति की हत्या का प्रयास किया था।पुलिस ने आरोपी के अपराध को देखते हुए 2009 में गैंगस्टर का केस दर्ज किया। इसके बाद वह गांजा व स्मैक की तस्करी का धंधा में लिप्त हो गया। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस का केस दर्ज किया। 2020 में गैंगस्टर के खिलाफ गुंडा एक्ट का केस दर्ज किया गया। शनि दिवाकर 25 सितंबर 2024 को जेल से जमानत पर छूटा था।स्थानीय लोगों का कहना है कि शनि दिवाकर को सफेदपोशों का संरक्षण हासिल है। उसके खिलाफ दुर्गेश नगर निवासी कमल चौहान खड़ा हो गया था। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार कमल चौहान (हिस्ट्रीशीट संख्या 34-बी) के खिलाफ 2019 में पहला केस मझोला थाने में 25 आर्म्स एक्ट का दर्ज किया गया था।सके बाद सात केस और दर्ज हो गए। 2025 में कमल एनडीपीएस के मामले में जेल गया था। वह 13 जून को जेल से छूटकर आया था। दोनों के बीच नशे के कारोबार को लेकर रंजिश चल रही थी। कुछ दिन पहले शनि दिवाकर ने कमल को जान से मारने की धमकी दी थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि शनि दिवाकर को सफेदपोशों का संरक्षण हासिल है। उसके खिलाफ दुर्गेश नगर निवासी कमल चौहान खड़ा हो गया था। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार कमल चौहान (हिस्ट्रीशीट संख्या 34-बी) के खिलाफ 2019 में पहला केस मझोला थाने में 25 आर्म्स एक्ट का दर्ज किया गया था।इसके बाद सात केस और दर्ज हो गए। 2025 में कमल एनडीपीएस के मामले में जेल गया था। वह 13 जून को जेल से छूटकर आया था। दोनों के बीच नशे के कारोबार को लेकर रंजिश चल रही थी। कुछ दिन पहले शनि दिवाकर ने कमल को जान से मारने की धमकी दी थी।वर्चस्व की लड़ाई में हिस्ट्रीशीटर की हत्या मुरादाबाद के कटघर थानाक्षेत्र के दुर्गेश नगर मोहल्ले में रविवार सरेशाम बदमाशों ने स्कूटी सवार हिंदू समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष कमल चौहान (40) की गोलियां मारकर हत्या कर दी। कमल कटघर थाने का हिस्ट्रीशीटर था। पुलिस के मुताबिक कमल को गोलियां हिस्ट्रीशीटर शनि दिवाकर और उसके गुट के लोगों ने मारी हैं। परिजनों का आरोप है कि हमलावरों ने चार दिन पहले उसे जान से मारने की धमकी दी थी। घटना की वजह दो गुटों में वर्चस्व की लड़ाई बताई जा रही है। कटघर थानाक्षेत्र के मोहल्ला भदौड़ा निवासी कमल चौहान रविवार की शाम अपने चचेरे भाई विशाल चौहान के साथ बाजार घूमने गया थालौटते समय वह डबल फाटक के पास प्रथमा बैंक के सामने अपने साले गोविंद सैनी से मिलने चला गया। यहां से घर जाते समय दुर्गेश नगर मोहल्ले में कर्बला मैदान में पहुंचने पर उसे हथियारबंद हमलावरों ने घेर लिया। हमलावरों ने कमल पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं। इस दौरान कनपटी और सीने पर गोली लगने पर वह लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा। जबकि स्कूटी पर पीछे बैठे विशाल ने भागकर अपनी जान बचाई।घटना को अंजाम देने के बाद हमलावर मौके से भाग निकले। मौके पर पहुंची पुलिस घायल कमल चौहान को साईं अस्पताल लेकर गई। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने घटनास्थल से 315 बोर की एक कारतूस बरामद किया। पुलिस का अनुमान है कि हमलावरों ने 315 बोर के तमंचों से गोली मारी है।कमल के खिलाफ दर्ज हैं आठ केस, शनि दिवाकर पर 18 केस एसपी सिटी ने बताया कि मारे गए हिस्ट्रीशीटर कमल चौहान के खिलाफ थाने में आठ केस पहले से दर्ज हैं। जांच में आया है कि गोलियां हिस्ट्रीशीटर शनि दिवाकर और उसके गुट के लोगों ने मारी हैं। शनि दिवाकर के खिलाफ एनडीपीएस, हत्या के प्रयास और गुंडा एक्ट सहित 18 केस दर्ज हैं। दोनों के खिलाफ नशे की तस्करी के अधिकतर मामले दर्ज हैं। दोनों गुटों के बीच आपसी वर्चस्व को लेकर काफी दिनों से विवाद चल रहा था। हमलावरों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस की तीन टीमें गठित की गई हैं।हिस्ट्रीशीटर ने दी थी धमकी, शिकायत पर पुलिस ने नहीं की कार्रवाई मारे गए कमल चौहान के साले गोविंद सैनी ने आरोप लगाया कि हिस्ट्रीशीटर शनि दिवाकर ने उसके जीजा को जान से मारने की धमकी दी थी। इस मामले में चार दिन पहले कटघर पुलिस को लिखित शिकायत दी थी लेकिन पुलिस ने उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। गोविंद ने पुलिस पर हिस्ट्रीशीटर शनि दिवाकर को संरक्षण देने का आरोप लगाया है। शनि दिवाकर नशा तस्करी और सट्टे का काम करता है। छह लोगों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कमल के छोटे भाई संजय चौहान की तहरीर पर कटघर पुलिस ने संजय नगर गली नंबर एक निवासी शनि दिवाकर, विक्की दिवाकर, निहाल बाल्मीकि, मोनू पाल, सुभाष यादव और नकुल यादव के खिलाफ हत्या और हत्या के प्रयास की धाराओं के तहत केस दर्ज किया है।

पथराव और फायरिंग के आरोपियों की तलाश में दबिश, फावड़े के बेंत से पत्नी को सरेआम पीटा

मुरादाबाद - पाकबड़ा के उमरी सब्जीपुर पथराव मामले में पुलिस ने 27 नामजद और 30 अज्ञात पर केस दर्ज कर अब तक दो लोगों को गिरफ्तार किया है। बाकी की तलाश जारी है। वहीं भाड़ली गांव में दहेज मांग को लेकर विवाद के बाद एक व्यक्ति ने पत्नी के सिर पर फावड़े के बेंत से हमला कर घायल कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पाकबड़ा थानाक्षेत्र के गांव भाड़ली में पत्नी के सिर पर फावड़े के बेंत से हमला कर दिया। आरोपी खून से लथपथ पत्नी

को छोड़कर भाग निकला। परिजनों ने पाकबड़ा पुलिस को तहरीर दी है। गांव भाड़ली निवासी फातिमा का निकाह गांव के ही युवक से 12 साल पहले हुआ था। बहन आसमा ने बताया कि रविवार को फातिमा के पति ने दहेज की मांग की। असमर्थता जताने पर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। इसके बाद पति ने आसमा के सिर पर फावड़े के बेंत हमला कर दिया। सिर पर चोट लगने के बाद पति उसे घर के बाहर छोड़कर भाग निकला। इसके बाद घायल महिला अपनी बहन और मायके वालों को लेकर थाने पर पहुंची। उसने पति के खिलाफ पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने उसे उपचार के जिए जिला अस्पताल में भेज दिया। थाना प्रभारी योगेश कुमार ने बताया कि इस मामले में जांच के आधार पर महिला के पति के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।युवक ने पत्नी व बेटी की गुमशुदगी दर्ज कराई ठाकुरद्वारा क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक ने थाने में तहरीर देकर पत्नी व बेटी की गुमशुदगी दर्ज कराई है। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि शनिवार को वह पत्नी व बेटी के साथ ठाकुरद्वारा किसी काम से गया था। कमालपुरी चौराहे पर उसने पत्नी व बेटी को पेड़ के नीचे बैठा दिया और उनके लिए पानी लेने के लिए चला गया। जब वह पानी लेकर वापस आया तो पत्नी व बेटी गायब थीं। उसने काफी तलाश की, लेकिन पता नहीं चल सका। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर मां-बेटी की तलाश शुरू कर दी है। दरवाजे पर बैठे युवक को मारपीट कर किया घायल, रेफर कुंदरकी के ग्राम बगरौआ में रविवार को घर के दरवाजे पर बैठे शमीम के साथ गांव के एक युवक ने रास्ते में पड़े गोबर को लेकर गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपी ने अपने चार भाइयों को लाठी-डंडे व सरिये लेकर बुला लिया और शमीम को मारपीट कर घायल कर दिया। परिजन घायल को लेकर थाने पहुंचे, पुलिस ने सीएचसी में उसका मेडिकल परीक्षण कराया है, लेकिन गंभीर चोट होने की वजह से उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया है। घायल के भाई ने पुलिस को पांचों भाइयों के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस ने जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। चार के खिलाफ किशोरी के अपहरण का केस दर्ज डिलारी नगर पंचायत निवासी एक व्यक्ति ने नगर के ही चार लोगों पर नाबालिग बेटी का अपहरण करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित ने तहरीर देकर बताय कि शुक्रवार की सुबह उसकी दो बेटियां अपने चाचार के घर जा रही थीं। इसी दौरान नगर निवासी जीशान, खलील, इस्माइल व हाशिम कार से आए दोनों बेटियों को खींचकर कार में डालकर अपहरण कर ले गए। बड़ी बेटी ने विरोध किया तो आरोपी पाकबड़ा जीरो प्वांइट पर उसे उतार गए और नाबालिग बेटी का अपहरण कर ले गए। पुलिस ने तहरीर पर चारों नामजद के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। ट्रैक्टर की टक्कर से महिला घायल, रिपोर्ट दर्ज- सिरसवां दोराहा के ग्राम मिलक तेलियोवाली निवासी मोहम्मद उमर ने गांव के ही शाने आलम पर लापरवाही से ट्रैक्टर चलाते हुए पत्नी शबीना को टक्कर मारकर घायल करने का आरोप लगाया है। साथ ही शिकायत पर भतीजे जीशान को मारपीट करने का आरोप शाने आलम व उसके भाई जैनल पर लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। धारदार हथियार से युवक पर हमला, तीन पर केस- मुरादाबाद के धीमरी गांव में गाली देने से मना करने पर दबंगों ने युवक को मारपीट कर घायल कर दिया। इस मामले में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। धीमरी गांव निवासी जतिन ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसका भाई नितिन एक क्लीनिक में काम करता है। नितिन पांच सितंबर की रात आठ बजे क्लीनिक से घर लौट रहा था। गांव में प्रवेश करते ही मनोज, आकाश और उमेश उर्फ मोगली पुरानी रंजिश को लेकर उसके साथ गाली गलौज करने लगे। विरोध करने पर दबंगों ने उसके साथ मारपीट की। आरोप है कि इस बीच दबंगों ने उसके ऊपर धारदार हथियार से हमला कर दिया। थाना प्रभारी रविंद्र कुमार ने बताया कि तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पथराव व फायरिंग के आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस पाकबड़ा के उमरी सब्जीपुर गांव में पिछले दिनों हुए पथराव को लेकर पुलिस ने कई स्थानों पर दबिश दी है। इस मामले में 27 नामजद और 30 अज्ञात लोगों के साथ केस दर्ज किया था। इस मामले में अभी तक दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

संक्षिप्त समाचार

रील बनाते समय तमंचे से चली गोली, पुलिस से कहा- हम पर हुआ हमला, दो युवकों पर हो गई यह कार्रवाई

रील बनाते समय तमंचे का ट्रिगर दबने से युवक के हाथ में गोली लग गई। घायल ने पुलिस को विरोधियों पर हमला करने की झूठी सूचना दी। जांच के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर तमंचा बरामद कर लिया है।

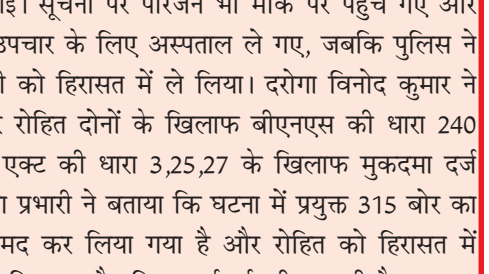

बहादरपुर गांव में शनिवार की दोपहर रेलवे क्रॉसिंग के पास रील बनाते समय तमंचे का ट्रिगर दब गया और हाथ में गोली लगने से युवक घायल हो गया। युवक ने पुलिस को विरोधी पक्ष पर जानलेवा हमला करने का आरोप लगाते हुए पुलिस को सूचना दे दी। सूचना झूठी निकलने पर पुलिस ने रील बनाने वाले दोनों युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।मकरंदपुर गांव निवासी युवराज सैनी की कनोबी गांव निवासी रोहित राजपूत से दोस्ती है। युवराज हरियाणा के हिसार में काम करता है, जबकि रोहित राजपूत इंटरमीटिए का छात्र है। कुछ दिन पहले ही युवराज गांव आया था। शनिवार को दोनों दोस्त रील बनाने के लिए तमंचा लेकर बहादरपुर गांव के जंगल में संभल रेलवे लाइन वाले क्रॉसिंग के पास पहुंच गए।पुलिस के अनुसार, युवराज ने रील बनाने के लिए तमंचा हाथ में लेकर लोड किया तो अचानक ट्रिगर दब गया और तमंचे से निकली गोली उसके हाथ में लग गई, जिस पर युवराज ने डायल 112 पुलिस को कॉल कर विरोधियों पर गोली मारने की सूचना दे दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की तो उनकी झूठी कहानी की पोल खुल गई। सूचना पर परिजन भी मौके पर पहुंच गए और घायल को उपचार के लिए अस्पताल ले गए, जबकि पुलिस ने दूसरे आरोपी को हिरासत में ले लिया। दरोगा विनोद कुमार ने युवराज और रोहित दोनों के खिलाफ बीएनएस की धारा 240 और आर्म्स एक्ट की धारा 3,25,27 के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना में प्रयुक्त 315 बोर का तमंचा बरामद कर लिया गया है और रोहित को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। युवराज का गांव के लोगों से हुआ था विवाद पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि कुछ दिन पहले युवराज का गांव के ही कुछ लोगों से विवाद हुआ था। शनिवार को जब तमंचे से निकली गोली उसे लगी तो वह खुद को बचाने के बारे में सोचने लगा। इसी दौरान उसने सोचा कि जिन लोगों से उसका विवाद हुआ था, उन पर हमले का आरोप लगाने से उसका बदला भी पूरा हो जाएगा और वह कार्रवाई से बच जाएंगे, लेकिन पुलिस की जांच में उनकी पोल खुल गई।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच
को जिला एवं तहसील स्तर पर
ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन
प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

बरेली में मौलाना शहाबुद्दीन रजवी का विवादित बयान, कहा- धीरेंद्र शास्त्री हजरत-ए-आदम की औलाद

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पहले से ही हिंदू राष्ट्र कुछ अलग ही लह अपने बयान में कहा कहना है कि भारत हैं। विदेशों में असली असली की पहचान यह उन्हें बताना शहाबुद्दीन रजवी ने

का कहना है कि भारत है, जबकि धीरेंद्र शास्त्री में बह रहे हैं। मौलाना ने कि धीरेंद्र शास्त्री का में नकली मुसलमान रहते मुसलमान हैं। नकली और कैसे और किस तरह की, चाहिए। मौलाना कहा कि हकीकत यह है कि दुनिया में सबसे पहले इंसान हजरत-ए-आदम आए थे। दुनिया में चाहे किसी भी मजहब के मानने वाले लोग हों, वह हजरत-ए-आदम की औलाद हैं। धीरेंद्र शास्त्री भी हजरत-ए-आदम की औलाद हैं। हजरत-ए-आदम मुसलमान थे। अब उनकी औलादों को क्या कहेंगे और धीरेंद्र शास्त्री को क्या कहा जाएगा? मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने यह भी कहा कि यह फर्क करना है कि असली और नकली कौन है। जो नकली होता है, वही फर्क करता है। वह शोर मचाकर ढोल बजाकर फर्क करता है। असली लोग खामोश रहते हैं। धीरेंद्र शास्त्री कैसे तय करते हैं कि असली और नकली कौन है। भारत में जितने भी मुसलमान हैं, वह शरीयत और इस्लाम के वसूलों पर सख्ती से अमल करते हैं। विदेश के मुसलमान इतनी शरीयत की पाबंदी नहीं करते हैं। यह बात धीरेंद्र शात्री को चुभती है और उनके दिलो-दिमाग को खटकती है।

छात्रा सुगंधा शर्मा को मिली फ्रेंच शिक्षिका की नौकरी

बहुभाषा अध्ययन केंद्र से किया था कोर्स

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। रुहेलखंड विश्वविद्यालय का बहुभाषा अध्ययन केंद्र विद्यार्थियों को नए और प्रदान कर रहा है। यहां फ्रेंच, जर्मन, मंदारिन और भाषाओं के डिप्लोमा न केवल वैश्विक ज्ञान से रोजगार के बेहतर अवसर एमकॉम की छात्रा रहीं करियर की राह छोड़कर

बेहतर करियर अवसर संचालित होने वाले स्पेनिश जैसी विदेशी पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को जोड़ रहे हैं, बल्कि उन्हें भी दिला रहे हैं। इसमें सुगंधा शर्मा ने पारंपरिक विश्वविद्यालय के फ्रेंच और जर्मन भाषा डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में दाखिला लिया। इसे सफलतापूर्वक पूरा किया। अब हाल ही में उन्हें एक प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान में फ्रेंच भाषा अध्यापिका के रूप में नौकरी मिली है। अपनी सफलता से उत्साहित होकर सुगंधा शर्मा ने विभाग आकर विभागाध्यक्ष डॉ. अनीता त्यागी के प्रति आभार व्यक्त किया, जिन्होंने उन्हें इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने के लिए प्रेरित किया। सुगंधा ने कहा कि बहुभाषीय पाठ्यक्रम से जर्मन और फ्रेंच भाषा में डिप्लोमा करने के कारण विदेशी भाषा शिक्षिका की नौकरी मिली। कुलपति प्रो. केपी सिंह का धन्यवाद देते हुए उन्होंने बरेली जैसे शहर में ऐसे उन्नत विदेशी भाषा के पाठ्यक्रम शुरू करके यहां के विद्यार्थियों को आगे बढ़ने का सुनहरा अवसर भी बताया ।

कोंच में सम्पूर्ण समाधान दिवस पर डीएम और एसपी ने समस्याएं सुनी

47 शिकायते दर्ज हुई और 14 का निस्तारण बताया गया

क्यूँ न लिखूँ सच /राजेंद्र विश्वकर्मा / कोंच(जालौन) आज सोमवार को तहसील सभागार कोंच में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गय इसमें जिले के डीएम राजेश कुमार पाण्डेय व एसपी डॉ दुर्गेश कुमार ने आये हुए फरिया दियो की समस्याओं को सुना डीएम और एसपी ने सबसे पहले पूर्व में प्राप्त हुई शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा की इसके बाद फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को पारदर्शी निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए डीएम राजेश कुमार पांडेय ने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस का मुख्य उद्देश्य आम जन की समस्याओं का समयबद्ध, पार दर्शी और गुणवत्ता पूर्ण समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने निर्देश दिया कि किसी भी शिकायत को लंबित न रखा जाए और अधिकारी मौके पर जाकर जांच कर प्राथमिकता से समाधान करें। शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की शिथिलता क्षम्य नहीं होगी सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 47 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 14 का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया, शेष शिकायतों को निस्तारण हेतु संबंधित अधिका रियों को सौंपा गया इस अवसर पर सीएम ओ डॉ नरेंद्र देव शर्मा बीएसए चंद्र प्रकाश पीडी अखलेश तिवारी एसडीएम कोंच ज्योति सिंह प्रभारी तहसीलदार जितेंद्र सिंह पटेल सीओ परमेश्वर प्रसाद नायब तहसीलदार सादुल्ला खान ई ओ नगर पालिका कोंच मोनिका उमराव सप्लाई इंस्पेक्टर मनोज कुमार तिवारी बीडीओ नदीगांव गजेंद्र प्रताप सिंह एसडीओ रविन्द्र कुमार कोंच सी एच सी चिकित्साधीक्षक डा अनिल शाक्य कोतवाल कोंच अजीत सिंह थानाध्यक्ष कैलिया अवनीश पटेल थाना नदीगांव के प्रभारी निरीक्षक शशिकांत सिंह चौहान थाना एट से एसएसआई मोहित कुमार यादव जेई अरुण कुमार आदि कर्मचारी मौजूद रहे

बाबा त्रिवटी नाथ धाम पर नौ दिवसीय भव्य कथा एवं झांकी महोत्सव, देवकी नंदन महाराज देंगे अमृतमय आशीर्वचन

प्रतिदिन होंगी कृष्ण, राम, रास और भक्त लीलाएं

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। शहर का आध्यात्मिक वातावरण आने वाले दिनों में और भी भक्तिमय होने जा रहा है। श्री राधा माधव संकीर्तन मंडल (रजि.) बरेली द्वारा बाबा त्रिवटी नाथ धाम परिसर में नौ दिवसीय भव्य कथा एवं झांकी महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह अनूठा आयोजन 10 सितंबर से 18 सितंबर तक प्रतिदिन संध्या 6 बजे से रात 9 बजे तक भक्तों के लिए खुला रहेगा। इस अवसर पर वृन्दावन के प्रख्यात संत श्रद्धेय स्वामी डॉ. देवकी नंदन महाराज अपने पावन आशीर्वचनों द्वारा श्रद्धालुओं को आत्मिक आनंद प्रदान करेंगे। साथ ही, रंगारंग झांकियों के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण की लीलाएं जीवंत रूप में प्रस्तुत की जाएंगी। श्रीकृष्ण से लेकर राजदान तक होंगी विविध लीलाएं आयोजन समिति ने बताया कि इस नौ दिवसीय कार्यक्रम में श्रीकृष्ण नन्दोत्सव से लेकर श्री रुक्मिणी विवाह, श्रीमद्भागवत कथा, वसुदेव-देवकी चरित्र, सुदामा चरित्र, दानवीर कर्ण की कथा तथा होली लीला तक अनेक धार्मिक प्रसंगों का मंचन होगा। साथ ही रामलीला, रासलीला एवं भक्तलीला का भी आकर्षक आयोजन किया जाएगा। लीलाओं का दिनवार कार्यक्रम 10 सितंबर = नन्दोत्सव एवं दशावतार, 11 सितंबर = श्री तुलसी शलिग्राम विवाह, 12 सितंबर = भक्त करमेती बाई, 13 सितंबर = वसुदेव-देवकी चरित्र एवं श्री खाटू श्याम चरित्र, 14 सितंबर = श्री शिव पार्वती विवाह, 15 सितंबर = सुदामा चरित्र, 16 सितंबर = श्रीनाथ प्रकट उत्सव एवं गोवर्धन पूजा, 17 सितंबर = दानवीर कर्ण, 18 सितंबर = राजदान एवं होली लीला

संस्कृति और आस्था का संगम मंडल के मीडिया प्रभारी कैलाश चंद्र शर्मा ने बताया कि इन लीलाओं का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं बल्कि समाज में आध्यात्मिक जागरण लाना और भारतीय संस्कृति का व्यापक प्रचार-प्रसार करना है। उनका कहना था कि आधुनिक समय में नई पीढ़ी को हमारी परंपराओं और संस्कारों से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है, और इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से यह कार्य सहज रूप से संपन्न होता है। गणमान्य लोगों की गरिमामयी उपस्थिति आयोजन की घोषणा के अवसर पर शहर के अनेक प्रतिष्ठित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इनमें जुगल किशोर गुप्ता, मोहन गुप्ता, सुरेश चंद्र अग्रवाल, नरसिंह मोदी, संजय झावर, विकास शर्मा, मुकेश अग्रवाल, नवीन गोयल, अरविंद गोयल, रामदयाल मोहता, पंकज अग्रवाल, प्रेम शंकर अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, आशीष मालू, प्रकाश चंद्र शर्मा और हरी बाबू खंडेलवाल प्रमुख रूप से शामिल रहे। सभी ने कहा कि यह आयोजन बरेली की धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर को एक नया आयाम देगा और भक्तों को दिव्य आनंद का अनुभव कराएगा।

शिक्षक दिवस के उपलक्ष में राष्ट्र निर्माता शिक्षकों को सम्मानित किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। राष्ट्रीय मानव सेवा संस्थान ट्रस्ट (रजि.)भारत ने शिक्षक दिवस के उपलक्ष में बरेली स्थित खुशाली सभागार में राष्ट्र निर्माता शिक्षकों को मा. संजीव अग्रवाल शहर विधायक द्वारा शिक्षक डॉ अखिलेश गुप्ता एवं कुसुम सक्सेना को सम्मानित कर प्राइमरी शिक्षक, माध्यमिक शिक्षक, उच्च शिक्षको विद्यार्थियों के बीच समाज में विश्व के सभी शिक्षकों का मान बढ़ाया। इस मौके पर राष्ट्रीय मानव सेवा संस्थान की राष्ट्रीय अध्यक्ष बिंदु सक्सेना ने बताया अगर शिक्षक ना होते तो विभिन्न क्षेत्रों में डॉक्टर, इंजीनियर, समाज सेवक, सुरक्षा सेवक, राज्यसेवक, आदि विभिन्न पदों पर तैनात ना होती राष्ट्र के निर्माण में राष्ट्र की सुरक्षा में शिक्षकों का बहुत बड़ा योगदान है। आज देश भर में बहुत से पिछड़े गांव में शिक्षा के अभाव के कारण जन सुविधा उपलब्ध होने में कठिनाइयां उत्पन्न हो रही है जिसके लिए शिक्षा की आवश्यकता है और शिक्षा शिक्षकों के बिना होना नामुमकिन है आज संस्थान के लिए एक हर्ष का विषय है कि हमारे नए सदस्य पवन गिलानी जी नें भी सदस्यता ग्रहण कर मानव सेवा करने का संकल्प लिया।

शिक्षक सम्मान समारोह में राष्ट्रीय मानव सेवा संस्थान की राष्ट्रीय अध्यक्ष बिंदु सक्सेना, राष्ट्रीय महामंत्री नरेंद्र पाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुकेश मेहंदीरत्ता, राकेश कुमार मौर्य, संरक्षक जे. आर गुप्ता, भारतेंदु सिंह, हरी बाबू खंडेलवाल चीनी वाले,राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. अखिलेश गुप्ता, पवन गिलानी, विकास खंडेलवाल, मंजुला खंडेलवाल,रामकिशोर, साक्षी खंडेलवाल, जिला अध्यक्ष प्रिया पुजारन, महानगर अध्यक्ष बबली गुप्ता, इंद्रदेव त्रिवेदी, विशाल शर्मा, शकील, रजनी सक्सेना, अभिषेक शर्मा,आदि लोग मौके पर मौजूद रहे।

बार संघ कोंच की बैठक हुई

बैठक में प्रभारी तहसील दार को हटाने के लिये एक प्रतिनिधि मंडल बना

क्यूँ न लिखूँ सच /राजेंद्र विश्वकर्मा / कोंच(जालौन) आज सोमवार को तहसील स्थित विजय बारहदरी में बार संघ कोंच की एक बैठक बुलाई गई इस बैठक की अध्यक्षता बार संघ के अध्यक्ष राम शरण सिंह कुशवाहा ने की बैठक में अधिवक्ता पूर्व बार संघ के अध्यक्ष संजीव तिवारी ने बीते दिनों बार संघ को प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया था कि कोंच के प्रभारी तहसील दार जितेंद्र पटेल द्वारा उनसे पचास हजार रुपए की रिश्वत की मांग की थी इसी आरोप को लेकर आज बार संघ की बैठक बुलाई गई इस बैठक में इस समस्या के बाबत तय हुआ है और एक प्रतिनिधि मंडल बनाया गया जिसमें अधिवक्ता अनिल वेद के के श्रीवास्तव ओम प्रकाश कौशिक राघवेंद मोहन विदुआ विनोद कुमार और सरनाम सिंह को रखा गया है यह अधिवक्ताओं का प्रतिनिधि दस सितंबर को डीएम से मिलने उरई जायेगा और अधिवक्ताओं की समस्याओं के बाबत उनसे भेंट कर उन्हें अवगत करायेगा इस बैठक में अरुण बाजपेई लीस विशंभर दयाल जाटव कुलदीप निरंजन केशराम जाटव लालजी गुर्जर मोहन सेन मनोज दूरबार हरिसिंह निरंजन राघवेंद्र गुर्जर अवधेश मिश्रा अनंत पाल सिंह यादव अनिल वेद सरनाम सिंह विनोद कुमार राकेश तिवारी महामंत्री दीपक मिश्रा अनिरुद्ध दुबे राम बाबू निरंजन अशोक तिवारी सहित तमाम वकील मौजूद रहे

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

पूर्व फौजी लापता, डूबने की आशंका , सड़क के नीचे पानी में मिली बाइक और चप्पलें

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। मीरगंज क्षेत्र में पूर्व फौजी लापता हो गया। वह गांव ठिरिया खुर्द में जन्मदिन की दावत में गए थे। उनकी बाइक और चप्पलें गांव गोरा हेमराजपुर के पास रामगंगा नदी की बाढ़ से कटी सड़क के नीचे पड़ी मिली।जानकारी के अनुसार सिरौली थाना क्षेत्र के गुलड़िया गौरीशंकर निवासी पूर्व फौजी प्रेमपाल रविवार को बाइक से ठिरिया खुर्द में अपने मामा उमराय के यहां जन्मदिन की दावत में आए। दावत खाने के बाद देर रात अपने घर गुलड़िया गौरीशंकर जाने के लिए वहां से निकले, लेकिन वह घर नहीं पहुंचे। परिजनों ने उनके फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन उनका फोन रिसीव नहीं हुआ। सोमवार सुबह गोरा हेमराजपुर के ग्रामीण सुबह करीब साढ़े छह बजे खेतों पर जा रहे थे। तभी कटी सड़क के नीचे एक बाइक, चप्पलें और मोबाइल फोन नदी किनारे पड़ा देखा। फोन की घंटी बज रही थी। एक ग्रामीण ने कॉल को रिसीव किया तो पता चला यह फोन पूर्व फौजी प्रेमपाल का है।

पीलीभीत को बसाने में अहम भूमिका निभाने वाला मुस्लिम शासक ब्रिटिशों से लड़ते हुए हुआ था शहीद

क्यूँ न लिखूँ सच / भारत का सार अपने ऐतिहासिक महत्व में निहित है। हमें अपनी समृद्ध ऐतिहासिक विरासत पर गर्व है, जिनमें से कुछ से हम जुड़ाव महसूस करते हैं और कुछ को उनके ऐतिहासिक मूल्यों के लिए हमेशा याद किया जाता है। देश का हर स्थान और हर शहर अपनी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि समेटे हुए है जो हमें अपने और अपने अस्तित्व के करीब लाती है। सभी की तरह, पीलीभीत की भी अपनी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है जो इस ज़िले और शहर को उसकी परंपरा, संस्कृति और विरासत प्रदान करती है। आमतौर पर लगभग सभी मुस्लिम शासकों को एक क्रूर शासक के रुप में देखा जाता है। लेकिन एक मुस्लिम शासक ऐसा भी था जिसने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान ब्रिटिश सेना से लड़ते हुए अपने प्राणों का बलिदान दिया था। इतना ही नहीं इस मुस्लिम शासक का पीलीभीत को बसाने में भी अहम योगदान था। पीलीभीत 18वीं शताब्दी में रूहेलखंड का प्रमुख हिस्सा हुआ करता था। रूहेला शासक हाफ़िज रहमत खां के कार्यकाल के दौरान पीलीभीत रूहेलखंड का प्रमुख केन्द्र था। हाफिज रहमत खान ने इस इलाके में वर्ष 1749 से लेकर 1775 तक शासन किया था। जानकारो का मानना है की पीलीभीत मूल रूप से बंजारों का शहर हुआ करता था। जहां वर्तमान में शहर है उस समय यहां पर बस्ती लगभग न के समान हुआ करती थी। पीलीभीत को हाफिज रहमत खान ने अपनी राजधानी बनाने के साथ ही साथ यहां पर कई महत्वपूर्ण निर्माण कार्य कराए थे, जिसमें जामा मस्जिद, खकरा पुल, हमाम, शहर के बाहरी हिस्से में स्थित दरवाजे समेत बाबा गौरीशंकर मंदिर का मुख्य द्वार शामिल है। वैसे तो भारत के अधिकांश मुस्लिम शासक क्रूर शासक के रूप में जाने जाते हैं। मगर हाफ़िज़ रहमत खान उन चंद शासकों में शामिल थे जो ब्रिटिश हुकूमत से लड़ते हुए स्वतंत्रता संग्राम में शहीद हुए थे। वर्ष 1774 में अवध में नवाब शुजा उद दौला और अंग्रेजो ने संयुक्त रूप से रूहेलखंड पर आक्रमण किया था, मीरानपुर कटरा में हुए इस युद्ध में हाफिज रहमत खान की तोप का गोला लगने से मौत हुई थी। जिसके साथ ही रूहेलखंड पर ब्रिटिशों का कब्जा हुआ। 1801 में प्राप्त दस्तावेजों और संधियों के अनुसार, रुहेलखंड अंग्रेजों को सौंप दिया गया था और उस समय पीलीभीत बरेली जिले का एक परगना मात्र था। हालाँकि, 1871 में पूरनपुर, पीलीभीत और जहानाबाद को मिलाकर पीलीभीत उपखंड बनाया गया।पीलीभीत के इतिहास से जुड़ी एक और महत्वपूर्ण घटना है जब राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने 1929 में गौरीशंकर मंदिर के ठीक सामने मैदान में एक विशाल रैली का आह्वान किया था। उन्होंने इस क्षेत्र में एक वृक्ष लगाया था जो आज भी वहाँ मौजूद है और स्वतंत्रता संग्राम के सभी संघर्षों की याद दिलाता है।

जहरीला पदार्थ खाकर महिला की मौत

क्यूँ न लिखूँ सच/ न्यूरिया कस्बे के मोहल्ला खेड़ा के रहने बाले पति पत्नी ने जहरीला पदार्थ खाकर जान देने कि कोशिश जिसमे इलाज के दौरान पत्नी कि मौत पति बचा मृतक कि पहचान शीतू उर्फ़ छोटी पत्नी राजू मौर्य उम्र लगभग 28 वर्ष थी कल सुबह पति पत्नी ने जहरीला पदार्थ खा लिया था जिसकी जानकारी ज़ब परिजनों को हुई तब परिजन इलाज के लिए एक प्राइवेट अस्पताल पीलीभीत ले गए जहाँ पर कल दुपहर के बाद शितू उर्फ़ छोटी कि मौत हो गयी पति राजू मौर्य का इलाज अस्पताल मे हो रहा था जिसकी आज छुट्टी कर दी गयी राजू मौर्य जहरीले पदार्थ खाने के बाढ़ बच गया और उसकी पत्नी कि मौत हो गयी इनके दो बच्चे भी है जिसमे एक लड़की माही पांच वर्ष व लड़का दिव्यांश तीन वर्ष का है और इनकी शादी को सात वर्ष हो गए है जहरीला पदार्थ खाने के कारण मे मोहल्ले के लोगो ने बताया कि राजू मौर्य अभी दो दिन पहले दूसरी महिला से शादी कर लया था राजू मौर्य कि ससुराल छत्तीसगढ़ के जिला कोलाई गांव जनकपुरी मे थी अभी कुछ दिन पहले राजू मौर्य अपनी ससुराल काम करने गया था वहा से मृतक कि मोसेरी बहिन संजना के साथ शादी करली थी शादी करके अभी दो दिन पहले ही आया था और साथ मे संजना को भी लाया था इसी को लेकर कुछ विवाद पति पत्नी मे हो गया है जिसके कारण दोनों ने जहरीला पदार्थ खा लिया

और पत्नी शीतू उर्फ़ छोटी कि मृत्यु हो गयी सूचना पर पहुंची थाना प्रभारी सीओ गयत्री यादव पुलिस फ़ोर्स व एफ एस एल टीम मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे मे लेकर पोसमार्टम के लिए भेजा गया आगे कि करवाई पोस्टरमार्टम रीपोर्ट आने के बाद कि जायगी

◆ मृतक के घर से मृतक कि जानकारी करती सीओं ट्रेनी थाना प्रभारी गयत्री यादव

खिड़का गाँव की बलविंदर कौर का अचार विदेशों तक पहुँचा, गाँव-गाँव में बनीं प्रेरणा

क्यूँ न लिखूँ सच /बब्लू / मझोला / गाँव की मिट्टी में जब मेहनत, हुनर और हौसले की खुशबू घुल जाती है तो उसका असर दूर-दराज़ तक पहुँचता है। मझोला कस्बे के ग्राम खिड़का की गृहणी श्रीमती बलविंदर कौर ने अपनी लगन और कला से यही साबित किया है। उनके हाथों से बना अचार अब न सिर्फ़ आसपास के गाँवों में पसंद किया जा रहा है, बल्कि जर्मनी और इंग्लैंड जैसे देशों तक अपनी महक पहुँचा रहा है। शौक से शुरू हुई कहानी पंजाब की मूल निवासी बलविंदर कौर की शादी वर्ष 1998 में सुखविंदर सिंह से हुई थी। गृहिणी होने के साथ ही उन्हें रसोई के कामों में विशेष रुचि थी। उन्होंने घर पर शौक से अचार बनाना शुरू किया, और देखते ही देखते परिवार व रिश्तेदार उनके अचार के दीवाने हो गए। धीरे-धीरे पड़ोसियों और क्षेत्रवासियों से भी डिमांड बढ़ने लगी। खाना तभी स्वादिष्ट है जब उसमें मेहनत और प्यार हो बलविंदर कौर कहती हैं - मैं सारे मसाले घर पर ही खुद पीसती हूँ और सफाई का पूरा ध्यान रखती हूँ। इसी वजह से आज तक मेरा कोई भी अचार खराब नहीं हुआ। मेरा मानना है कि जब तक खाने की चीज़ में मेहनत और प्यार न हो, तब तक उसका स्वाद अधूरा रहता है। परिवार बना सबसे बड़ा सहारा बलविंदर कौर के पति सुखविंदर सिंह उनकी हौसला अफजाई करते हुए कहते हैं - मेरी पत्नी के हाथों में जादू है। एक बार जो उनके अचार का स्वाद ले लेता है, वह फिर उसे बार-बार मांगता है। इस सफर में उनकी देवरानियाँ सिमरदीप कौर, पवनदीप कौर और सहेली रेनू ने भी भरपूर सहयोग किया। परिवार और मित्रों के सहयोग से ही उनका यह काम निरंतर आगे बढ़ रहा है। महिलाओं के लिए बनी प्रेरणा बलविंदर कौर की मेहनत और हुनर ने यह सिद्ध कर दिया कि महिलाएँ केवल घर की चारदीवारी तक सीमित नहीं हैं। यदि उन्हें प्रोत्साहन और अवसर मिले तो वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकती हैं। खिड़का गाँव की यह महिला आज पूरे क्षेत्र की अन्य महिलाओं के लिए हिम्मत, आत्मविश्वास और लगन की मिसाल बन चुकी है।

संक्षिप्त समाचार

साइबर क्राइम से बचाव को पुलिस ने लगाई चौपाल

क्यूँ न लिखूँ सच /बब्लू / मझोला। कस्बे के मुख्य बाजार में रविवार को पुलिस प्रशासन ने साइबर क्राइम जागरूकता अभियान के तहत चौपाल लगाई। इसमें डीएसपी (अंडर ट्रेनिंग थाना प्रभारी न्यूरिया) गायत्री यादव, न्यूरिया थाना इंचार्ज सुभाष मावी, उप निरीक्षक अनु रवा, उप निरीक्षक ब्रह्मानंद शर्मा (मझोला चौकी) समेत सुमित, के साथ पुलिस बल मौजूद रहा। अधिकारियों ने लोगों को साइबर अपराधों से सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि अज्ञात कॉल, लिंक या ओटीपी साझा न करें। किसी भी प्रकार की ऑनलाइन ठगी होने पर तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 या नजदीकी थाने को सूचना दें। पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों से अपील की कि वे खुद भी जागरूक रहें और आसपास के लोगों को भी जागरूक करें। इस दौरान स्थानीय लोगों ने भी अपने सवाल रखे जिनका समाधान मौके पर किया गया।

भारी बरसात में परवीन नदी पर रुका पुल निर्माण कार्य, पुराना पुल भी खस्ता हाल में

क्यूँ न लिखूँ सच /बब्लू / मझोला । पिछले सप्ताह हुई भारी बरसात के चलते मझोला-सितारगंज मार्ग पर स्थित परवीन नदी नदी पर बन रहा नया पुल निर्माण कार्य ठप हो गया है। जानकारी के अनुसार निर्माण स्थल पर बनाए गए अस्थाई टीन शेड और कार्य क्षेत्र अब भी पानी में डूबे हुए हैं, जिसके कारण मजदूर व कर्मचारी काम नहीं कर पा रहे हैं। लोक निर्माण विभाग के अभियंता राजेश चौधरी ने बताया कि बारिश का पानी उतरने के बाद ही निर्माण कार्य दोबारा शुरू हो सकेगा। वहीं, नदी के पास बना पुराना पुल भी काफी खस्ता हाल में है। बरसात के दिनों में उस पर वाहनों का आवागमन खतरे से खाली नहीं है। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द पुल निर्माण कार्य को गति दी जाए और पुराने पुल की भी मरम्मत कराई जाए, ताकि लोगों की आवाजाही सुरक्षित और सुचारु हो सके।

झुग्गी झोपड़ी तक में डॉक्टरों और नर्सिंग होम के बोर्ड लगे हुए हैं जहां मरीजों का हो रहा आर्थिक शोषण

क्यूँ न लिखूँ सच / तहसील क्षेत्र में इन दिनों प्रतिदिन सैंकड़ों मरीज अवैध पैथोलॉजी, क्लीनिक और मेडिकल के जाल में फंसकर आर्थिक शोषण का शिकार हो रहे हैं। मरीजों की जिंदगी पूरी तरह भगवान के रहमो-करम पर निर्भर है। झोला छाप डॉक्टरों की वजह से मरीजों की जान हमेशा खतरे में रहती है। ना केवल झोलाछाप डॉक्टर बल्कि पैथोलॉजी लैब और मेडिकल तक के मामले में भी पूरे क्षेत्र में फर्जीवाड़े का खेल चल रहा है। आलीशान बिल्डिंग से लेकर झुग्गी झोपड़ी तक में डॉक्टरों और नर्सिंग होम के बोर्ड लगे हुए हैं जहां मरीजों का आर्थिक शोषण जारी है। तहसील मुख्यालय ही नहीं बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी क्लिनिक और पैथोलॉजी लैबों की भरमार है।

एक तरफ जहां मेडिकलों पर उनके संचालक बिना किसी डिग्री/डिप्लोमा के अपने ही मेडिकलों पर खुले आम प्रैक्टिस करते नजर आते हैं। वही इन संचालकों द्वारा छोटे बच्चों से मरीजों की जांच तक करा दी जाती है। ऐसा ही मामला तहसील क्षेत्र के ग्राम खमरिया दलेलगंज में देखने को मिला। जहां प्रजापति मेडिकल स्टोर के संचालक द्वारा एक मरीज की पट्टी (ड्रेसिंग) की जा रही है और एक नाबालिग महिला मरीज का वीपी जांच रहा है। वही परेवा वैश्य में जनता पैथोलॉजी लैब का संचालक बिना रोक-टोक दो वर्षों से मरीजों की जांच कर उन्हें रिपोर्ट दे रहा है। सूत्र बताते हैं कि जितने भी डॉक्टर प्रैक्टिस कर रहे हैं, उसमें कुछ चिकित्सकों के पास ही वैध डिग्री है।इसके अलावा अजब-गजब डिग्री भी बोर्ड पर लिखे होते हैं। खास बात यह है कि इस फर्जीवाड़े के इस खेल से विभागीय अधिकारी ही नहीं जिला प्रशासन भी बखूबी वाकिफ है। बावजूद इसके ऐसे पैथोलॉजी लैबों, क्लीनिको और मेडिकल के विरुद्ध ना तो कभी जांच की गयी है और ना ही इन पर नकेल कसने के लिये कोई कार्रवाई ही की गयी है।

लिहाजा ये कहना वाजिब ही होगा कि इन सबों ने एक दूसरे को मौन समर्थन दे रखा है। इस संबंध में विगत दिनों मुख्य चिकित्साधिकारी डॉक्टर आलोक शर्मा ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमरिया के प्रभारी को इन सभी अवैध पैथोलॉजी लैबों, अस्पतालों, नर्सिंगहोम, क्लीनिको और मेडिकलों पर अभियान चलाकर कार्यवाही करने के लिए आदेशित किया था।

> मेडिकल पर प्रैक्टिस करना गैरकानूनी है और क्षेत्र के निजी क्लिनिकों, अस्पतालों, पैथोलॉजी लैबों एंव मेडिकल की जांच की जाएगी है और इनमें नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।- **अनिकेत गंगवार (प्रभारी डॉक्टर) सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमरिया**

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

पीलीभीत में शिक्षा का रूपांतरण एक आईएएस अधिकारी ने बदली 90,000 से ज़्यादा बच्चों की ज़िंदगी

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रदेश के हरे-भरे तराई क्षेत्र में, पीलीभीत ज़िले के लहराते खेतों और घने जंगलों के बीच, एक साधारण लेकिन गहरा बदलाव चुपचाप चल रहा है। दशकों से, यहाँ के सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले हज़ारों बच्चों के पास न तो मेज़ें थीं और न ही कुर्सियाँ। वे जर्जर कक्षाओं में ठंडी, कठोर ज़मीन पर बैठकर, या यहाँ तक कि बाहर पेड़ों के नीचे बैठकर अपनी पढ़ाई करते थे। यह कठोर वास्तविकता न केवल सीखने में बाधा थी, बल्कि प्राथमिक शिक्षा के बुनियादी ढाँचे की गहरी उपेक्षा का भी प्रतीक थी। यह तब तक था जब तक कि 2014 बैच के यूपी कैडर के आईएएस अधिकारी, श्री ज्ञानेंद्र सिंह ने पीलीभीत के ज़िला मजिस्ट्रेट (डीएम) का पदभार नहीं संभाला। स्कूलों में उनके लगातार दौरे और दृढ़ हस्तक्षेप ने एक ऐसा आंदोलन खड़ा कर दिया जिसने ज़िले भर के 90,000 से ज़्यादा बच्चों के शैक्षिक माहौल को बदल दिया। जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने 90,000 से अधिक बच्चों को डेस्क और कुर्सियां ??प्रदान करके, बुनियादी ढांचे, स्वच्छता और सामुदायिक भागीदारी में सुधार करके पीलीभीत के प्राथमिक विद्यालयों का कायाकल्प कर दिया। उपेक्षित कक्षाओं को जीवंत शिक्षण स्थलों में बदल दिया और शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ावा दिया। एक महत्वपूर्ण टास्क फोर्स मीटिंग के दौरान जिलाधिकारी ने बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह से कक्षाओं में फ़र्नीचर की भारी कमी के बारे में बात की। जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया की जब मुझे यहाँ इस बारे में पता चला... तो मैं दो-तीन स्कूलों में जाँच करने गया। दो बच्चे ज़मीन पर बैठे थे। मैंने उनसे पूछा कि बच्चे ज़मीन पर क्यों बैठे हैं? तब मुझे पता चला कि फ़र्नीचर उपलब्ध ही नहीं था, कुछ आया ही नहीं था। बार-बार अनुरोध के बावजूद, सरकारी धन की कमी के कारण कोई प्रगति नहीं हो पाई। इस तात्कालिकता को समझते हुए, जिलाधिकारी ने नौकरशाही की सामान्य देरी का इंतज़ार नहीं किया। इसके बजाय, उन्होंने तुरंत स्थानीय प्रशासन को ग्राम पंचायत विकास निधि का उपयोग करके स्कूलों के लिए फ़र्नीचर की व्यवस्था शुरू करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कहा, हमने सभी ग्राम प्रधानों से बात की और सीएसआर फंड से शुरुआत की। स्कूल चलाओ अभियान के तहत, हमने एक संकल्प लिया। संकल्प स्पष्ट था - हर बच्चे को आराम से बैठकर पढ़ाई करने का हक है। एक व्यापक सर्वेक्षण में 903 ऐसे स्कूलों की पहचान की गई जहाँ फ़र्नीचर नहीं था। इसके बाद, ज़िला मजिस्ट्रेट ने ग्राम प्रधानों के साथ समन्वय स्थापित किया और विभिन्न विभागों के अधिकारियों - बीएसए, एबीएसए, डीपीआरओ और सीडीओ - को तैनात किया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह पहल ज़िले के हर कोने तक पहुँचे। श्री सिंह दृढ़ता से कहते हैं, हमारे ग्राम प्रधान की एक बुनियादी ज़िम्मेदारी है। ग्राम प्रधान का पहला कर्तव्य अपने गाँव के स्कूल को सुंदर बनाना है। बाढ़ और फ़र्नीचर निर्माण में देरी जैसी बाधाओं के बावजूद, प्रशासन ने काम जारी रखा। दीपावली तक, पीलीभीत के लगभग सभी स्कूलों के पूरी तरह सुसज्जित होने की उम्मीद है। जब जिलाधिकारी से पूछा गया कि इस मुद्दे को अबतक क्यों नज़रअंदाज़ किया गया, तो उन्होंने कहा, हर अधिकारी की अलग-अलग प्राथमिकताएँ होती हैं, और कई चीज़ें अनदेखी रह जाती हैं। युवाओं और शिक्षा के लिए गाँवों में समूह मौजूद होने के बावजूद, ध्यान और समन्वय की कमी के कारण उपेक्षा हुई। एक बार जब हमने इन क्षेत्रों को प्राथमिकता दी, तो असली बदलाव शुरू हुआ। जिलाधिकारी का विजन सिर्फ़ फ़र्नीचर मुहैया कराने से कहीं आगे तक फैला था। वे स्वीकार करते हैं , ऐसी बहुत सी चीज़ें हैं जिन पर हम ध्यान नहीं देते। ऐसा ही एक पहलू गाँव के युवा और महिला समूह, युवक मंगल दल और महिला मंगल दल थे, जिन्हें सामुदायिक जुड़ाव और युवा विकास को बढ़ावा देने की अपनी क्षमता के बावजूद उपेक्षित रखा गया था। जिलाधिकारी बताते हैं, ज़िला युवा कल्याण अधिकारी का काम युवा लड़कों को खेलकूद, सेना में भर्ती और ग्राम कल्याण के लिए प्रेरित करना है। शिक्षा और विकास को बढ़ावा देने वाले एक संगठित समुदाय के निर्माण के लिए इन समूहों को मज़बूत करना अगला कदम था। एक अन्य पहल प्रत्येक ग्राम पंचायत में लघु सचिवालय, जिन्हें ग्राम प्रशासन के लिए वन-स्टॉप केंद्र के रूप में डिज़ाइन किया गया है। यहाँ, स्वास्थ्य, पुलिस और अन्य विभागों के अधिकारी स्थानीय मुद्दों पर चर्चा के लिए साप्ताहिक बैठक करते हैं। जिलाधिकारी कहते हैं, पहले इस पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता था... अब इसे सभी ग्राम पंचायतों में शुरू किया जा रहा है। इस प्रयास का उद्देश्य शासन का विकेंद्रीकरण और जमीनी स्तर पर सेवा वितरण में सुधार करना है। जिलाधिकारी ने स्कूल की सफ़ाई के मुद्दे पर भी बात की, जिसे अक्सर नज़रअंदाज़ कर दिया जाता है, लेकिन यह एक अनुकूल शिक्षण वातावरण बनाने का एक अहम हिस्सा है। वे बताते हैं ,ऐसा कोई माहौल नहीं था कि स्कूल की सफ़ाई कौन करेगा? सफ़ाई कर्मचारी कहते थे कि यह मेरा काम नहीं है। उनके निर्देश के तहत, गाँव के सफ़ाई कर्मचारियों को स्कूल की सफ़ाई, खासकर शौचालयों की सफ़ाई को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया गया था। बच्चों के स्वास्थ्य और उपस्थिति को प्रभावित करने वाले एक अन्य महत्वपूर्ण कारक, मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता पर भी ध्यान दिया गया। मध्याह्न भोजन कब तैयार होता है, यह बच्चों के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है। भोजन तैयार करने और उसे वितरित करने में आने वाली कमियों की पहचान करके उन्हें दूर करने के प्रयास किए गए। इसके अलावा, स्कूलों को कक्षाओं को चित्रों और सजावट से सजाने के लिए समग्र अनुदान दिया गया, जिससे एक अधिक स्वागतयोग्य और प्रेरक वातावरण का निर्माण हुआ। आंगनवाड़ियों, जहाँ सबसे छोटे बच्चे इकट्ठा होते हैं, का भी उन्नयन किया गया ताकि प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा के स्थानों में भी सुधार सुनिश्चित किया जा सके। जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह का समर्पण सुधार के हर कदम पर साफ़ दिखाई देता है। वे भावुक होकर कहते हैं, ये मेरे बच्चे हैं - मैं बर्दाश्त नहीं करूँगा कि ये ज़मीन पर बैठे रहें। ये तो बस शुरुआत है। और भी बहुत कुछ है। वह इस बदलाव में ग्राम प्रधान की भूमिका पर ज़ोर देते हैं- अगर आपके गाँव के बच्चे ज़मीन पर बैठे हैं, तो आप प्रधान किस बात के हैं? आपके साथ इतना बड़ा शब्द जुड़ा है, प्रधान! उनके व्यावहारिक तथा सहानुभूतिपूर्ण नेतृत्व ने सामुदायिक संसाधनों का उपयोग करके तथा जमीनी स्तर पर परिणाम देने के लिए केंद्रित प्रशासनिक ऊर्जा का उपयोग करके नौकरशाही जड़ता पर काबू पा लिया है। इस पहल की बदौलत, 925 प्राथमिक विद्यालयों को डेस्क और कुर्सियाँ मिल चुकी हैं, और शेष विद्यालयों के भी जल्द ही पूरा होने की उम्मीद है। प्रत्येक विद्यालय के लिए फर्नीचर की लागत लगभग 1 लाख रुपये है, जिसे ग्राम विकास निधि से रचनात्मक रूप से जुटाया गया है।

एसपी नरेंद्र प्रताप सिंह ने किया कांधला थाने का औचक निरीक्षण, थाना प्रभारी सतीश कुमार की कार्यप्रणाली पर जताया भरोसा

क्यूँ न लिखूँ सच/ राकेश गुप्ता/कांधला शामली नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक नरेंद्र प्रताप सिंह ने रविवार की देर रात कांधला थाने का औचक निरीक्षण कर कानून व्यवस्था और थाने की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने थाने के अभिलेख, हवालात, मालखाने एवं साफ-सफाई की स्थिति को परखा और ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मियों से वार्ता की।थाना प्रभारी सतीश कुमार की सराहना निरीक्षण के बाद एसपी शामली ने स्पष्ट कहा कि थाना प्रभारी सतीश कुमार अपराध नियंत्रण और जनता की समस्याओं के निस्तारण में लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। अपराधियों के खिलाफ उनकी हालिया कार्रवाइयों को भी एसपी ने सराहनीय बताया।एसपी ने कहाथाना प्रभारी की कार्यप्रणाली संतोषजनक है। ऐसी ही सजगता और तत्परता से काम किया जाता रहा तो अपराधियों का मनोबल टूटेगा और आमजन को राहत मिलेगी। सख्त हिदायत अपराधियों को निरीक्षण के दौरान एसपी नरेंद्र प्रताप सिंह ने अपराधियों को दो टूक चेतावनी दी कांधला में अब कानून तोड़ने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस की पैनी नजर हर गली-मोहल्ले में रहेगी जनता का भरोसा बढ़ा एसपी की इस कार्यशैली और थाना प्रभारी को मिले प्रोत्साहन से नगर के लोगों में भरोसा बढ़ा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जब शीर्ष अधिकारी स्वयं इस तरह निरीक्षण करते हैं और ईमानदारी से काम करने वाले थाना प्रभारी का समर्थन करते हैं तो इससे पूरी पुलिस व्यवस्था मजबूत होती है।

जनता की आवाज ही हमारी ताकत है रमा आरपी निरंजन, रबा गांव में जन सुनवाई कार्यक्रम आयोजित हुआ

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार / कोंच(जालौन) भारतीय जनता पार्टी से निर्वाचित एम एल सी रमा आर पी निरंजन ने आज अपने पैतृक गांव रबा स्थित डीपीएन पब्लिक स्कूल में जन सुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया इस जन सुनवाई कार्यक्रम में एल एल सी रमा आरपी निरंजन ने जनपद के तमाम जगहों से से लोगो ने बारी बारी से अपनी अपनी जन समस्या के बाबत प्रार्थना पत्र देकर उनके निस्तारण के लिये उनके समक्ष रखा तमाम लोगों ने अपनी समस्या को मौखिक रूप से ही अवगत कराया और तमाम लोगों ने अपनी बात खुलकर बताई इन सभी आये लोगो का स्वागत सम्मान करने के बाद एल एल सी रमा आरपी निरंजन ने लोगो की समस्याओं के बाबत संबंधित अधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता की और समस्या के निस्तारण के निर्देश दिये इस अवसर पर एम एल सी प्रतिनिधि आरपी निरंजन ने कहा कि जनता की आवाज ही हमारी ताकत है उनके सहयोग से ही क्षेत्र का बेहतर विकास सम्भव है उन्होंने कहा कि प्रदेश में योगी सरकार हो या मोदी सरकार हो बिना भेदभाव के कार्य कर रही है सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास लेकर कार्य कर रही है उन्होंने कहा कि प्रदेश में जल कल्याण कारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्ति को दिया जा रहा मुख्यमंत्री योगी जी के राज में कानून व्यवस्था काफी अच्छी है आज लोग सरकार के काम काज से खुश है इस अवसर पर नगर पालिका परिषद के युवा सभासद शादाब अंसारी ग्राम चमर सेना के प्रधान देवेंद्र निरंजन देबू भाजपा के युवा नेता मिस्टर पटेल धनोरा गांव के प्रधान मुलायम सिंह कुशवाहा सहित तमाम लोग मौजूद रहे

संक्षिप्त समाचार

1 लाख 50 हजार रूपये कीमत के 5 किलो गांजा सहित एक महिला गिरफ्तार, थाना चांदनी पुलिस की कार्यवाही।

क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर। डीआईजी व एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने अवैध कार्यो सहित नशे के कारोबार पर पूर्णत: अंकुश लगाते हुए सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए है। इसी परिप्रेक्ष्य में दिनांक 06.09.2025 को थाना चांदनी पुलिस को मुखबीर से सूचना प्राप्त हुआ कि ग्राम नवाटोला की मीरा देवी साहू घर में मादक पदार्थ गांजा बिक्री हेतु रखी है। थाना चांदनी पुलिस सूचना की तस्दीकी व कार्यवाही हेतु मौके पर पहुंची जहां मीरा देवी साहू पति स्व. लोकनाथ साहू उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम नवाटोला को तलब कर विधिवत् घर की तलाशी लिए जाने पर 5 किलो गांजा कीमत करीब 1 लाख 50 हजार रूपये का पाया गया। मामले में गांजा जप्त कर धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर आरोपियां को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी चांदनी प्रदीप सिदार व उनकी टीम सक्रिय रही।

पितृ पक्ष का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है पं बृजेंद्र मिश्रा शास्त्री

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार / कोंच(जालौन) आज से पितृ पक्ष प्रारंभ हो गये है हिंदू धर्म में पितृपक्ष का विशेष महत्व माना गया है इस अवधि में पूर्वजों की आत्मा की शांति और मोक्ष के लिए लोग तर्पण श्राद्ध और पिंडदान करते हैं मान्यता है कि पितृपक्ष में किए गए ये कर्म पूर्वजों को तृप्त करते हैं और परिवार पर सुख समृद्धि की कृपा बरसती है इसी को लेकर कोंच में पितृ पक्ष पर लोगो द्वारा नदी तालाबो में पितरो को जल तर्पण करने का सिलसिला रविवार से शुरू हो गया हैं इसमे सनातन धर्म के अनुसार पितृ पक्ष में पितरो (पुरखों) की पूजा और पिंडदान का विशेष महत्त्व माना गया हैं यही कारण है कि आज से 15 दिन लोग पितरो को तर्पण करेगे कोंच नगर में पितृ पक्ष के मौके पर तालाबो में अपने पितरों को जल तर्पण करने का सिलसिला 15 दिन तक चलेगा सुबह से ही लोग नगर में स्थित धनु तालाब सागर तालाब पर पितरो के निमित्त तर्पण कर रहे है पंडित देवेंद्र मिश्रा शास्त्री ने बताया कि पितृ पक्ष के दौरान मृत आत्मा की शांति के लिए जल तर्पण के बाद दीप जलाकर भोजन कराने कु परंपरा हो रही हैं इस अवसर पर घर की सुख शांति बरकरार रखने अपने पितरों से लोग कामना कर रहे है हिन्दू धर्म की मान्यता हैं कि इससे स्वर्गवासी पूर्वज खुश होते है व अपनी नई पीढ़ी को आशीर्वाद देते है इस दौरान माना जाता हैं कि पितृ पक्ष के दौरान देव लोक में आराम होता हैं भगवान इस अवधि में विश्राम करते है मान्यता के अनुसार इस अवधि में कोई शुभ कार्य नही किया जाता जैसे गृह प्रवेश,नई खरीदी वस्तु शादी वगैरह इस दौरान नही कराए जाते।इस मौके पर नगर के गल्ला व्यापारी और अयोध्या वासी स्वर्णकार समाज के अध्यक्ष मुकेश सोनी चक्की वाले शिवम ताम्रकार किशोर कुमार रामकुमार सहित लोगो ने अपने पितरों को जल तर्पण किया और दान दक्षिणा भी भेंट की

जनसंवाद स्थापित किया और अधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए

क्यूँ न लिखूँ सच /शिवपुरी। जिले के प्रभारी मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने अपने शिवपुरी प्रवास के दौरान दिनभर कई कार्यक्रमों में भाग लेते हुए विकास कार्यों की समीक्षा की, जनसंवाद स्थापित किया और अधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए। प्रवास की शुरुआत मंत्री तोमर ने सर्किट हाउस शिवपुरी में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं से भेंट कर की। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं का उत्साह, समर्पण और संगठन के प्रति निष्ठा ही सबसे बड़ी ताक़त है। मिलकर हम शिवपुरी के समग्र विकास के नए आयाम स्थापित करेंगे। इसके बाद मंत्री तोमर ने मनियर क्षेत्र की आदिवासी बस्तियों का भ्रमण किया। यहाँ उन्होंने देवतुल्य भाई-बहनों से आत्मीय संवाद कर उनकी समस्याएँ सुनीं और उनके समाधान का भरोसा दिलाया। मंत्री तोमर ने अपने प्रवास के दौरान शासकीय प्राथमिक विद्यालय मनियर का निरीक्षण भी किया। विद्यार्थियों से बातचीत कर उन्होंने विद्यालय की व्यवस्थाओं और शिक्षण वातावरण का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त हो। इसके उपरांत उन्होंने शहर के विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया। वार्ड क्रमांक 12 मनियर, श्रीराम कॉलोनी वार्ड क्रमांक 7 और नीलगर चौराहा, पुरानी शिवपुरी का दौरा कर जल, विद्युत, सड़क और सीवर जैसी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों को निर्देशित किया कि नागरिकों को समस्याओं से शीघ्र राहत मिले। मंत्री तोमर ने फतेहपुर स्थित 33/11 के.वी. विद्युत उपकेन्द्र का निरीक्षण भी किया। यहाँ उन्होंने उपकेन्द्र की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को निर्देशित किया कि क्षेत्रवासियों को निर्बाध एवं सुचारु बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो। प्रवास के अंतिम चरण में मंत्री तोमर ने कलेक्टर कार्यालय शिवपुरी में जिला प्रशासन के अधिकारियों एवं पार्षदों के साथ बैठक की। बैठक में शहर के विकास कार्यों, योजनाओं और नागरिक सुविधाओं के सुचारु क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा हुई। मंत्री तोमर ने कहा कि हर नागरिक तक योजनाओं का लाभ और गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ समय पर पहुँचें, इसके लिए ठोस प्रयास किए जाएँ।

स्वास्थ्य विभाग ने लगाया कैम्प, 250 से अधिक मरीजों की जांच, दवाइयां वितरित

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार/ पीलीभीत भारतीय किसान यूनियन भानु के बैनर तले रविवार को पूरनपुर ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम शिवपुरिया में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। ग्राम प्रधान खुशीराम के सहयोग से आयोजित इस शिविर में मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देश पर डॉक्टरों की टीम ने पूरे दिन मरीजों की जांच की। शिविर में करीब 250 से अधिक मरीज पहुंचे। यहां कई लोगों की आंखों की जांच की गई, जिनमें मोतियाबिंद के मरीजों की पहचान हुई। इसके अलावा ब्लड शुगर और बीपी की भी निशुल्क जांच की गई। महिलाओं, बच्चों और पुरुषों को डॉक्टरों द्वारा दवाइयां वितरित की गईं। शिवपुरिया स्कूल परिसर में लगे इस कैंप में डॉक्टरों की टीम ने मौजूद रहकर इलाज और दवा वितरण किया। कार्यक्रम में भारतीय किसान यूनियन भानू के मंडल अध्यक्ष लाल मिश्रा, जिला मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र गुप्ता, तहसील मीडिया प्रभारी सबलू खां तथा ग्राम प्रधान खुशीराम मौजूद रहे। भारतीय किसान यूनियन भानू के बैनर तले बीते माह से लगातार निशुल्क स्वास्थ्य कैंपों का आयोजन कराया जा रहा है। इसी क्रम में आज शिवपुरिया गांव में यह कैंप आयोजित किया गया। मंडल अध्यक्ष लालू मिश्रा ने बताया कि इस तरह के स्वास्थ्य शिविर आगे भी लगातार जारी रहेंगे, ताकि अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके।

एसएसबी जवानों की सतर्कता से राप्ती नदी में डूबने से बचा गोवंश

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती सशस्त्र सीमा बल भिनगा के अंतर्गत 'बी' समवाय ककरदरी कार्यक्षेत्र में सीमा स्तंभ संख्या-641 के समीप राप्ती नदी का जलस्तर अचानक बढ़ जाने के कारण एक गोवंश बहाव में फँसकर डूबने लगा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए भारत -नेपाल सीमा पर तैनात आरक्षी मिथिलेश कुमार, आरक्षी कमलेश कुमार एवं आरक्षी विनोद भास्कर ने तत्परता एवं साहस का परिचय देते हुए ग्रामीणों की मदद से गोवंश को नदी से सुरक्षित बाहर निकाल लिया। जवानों की त्वरित कार्रवाई से गोवंश के जीवन की रक्षा हो सकी। स्थानीय ग्रामीणों ने एसएसबी जवानों की तत्परता, सतर्कता और मानवता पूर्ण कार्य की सराहना की तथा कहा कि जवान न केवल सीमा की सुरक्षा में सतत् तैनात रहते हैं बल्कि आपदा की घड़ी में समाज और गौवंश की रक्षा कर मिसाल पेश करते हैं।

यातायात पुलिस द्वारा नो हेलमेट नो फ्यूल के तहत जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में जागरूकता अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। परिवहन आयुक्त उत्तर प्रदेश के आदेशानुसार 01 सितंबर 2025 से 30 सितंबर 2025 तक चलाए जाने वाले नो हेलमेट नो फ्यूल अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चन्द्र उत्तम व क्षेत्राधिकारी यातायात भरत पासवान के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी यातायात द्वारा गिलौला व थाना इकौना क्षेत्रांतर्गत पडने वाले विभिन्न पेट्रोल पम्प संचालकों से वार्ता कर शासन द्वारा चलाए जा रहे अभियान के बारे में अवगत कराया गया तथा बिना हेलमेट के फ्यूल न देने के बारे में बताया गया इसके अलावा प्रभारी यातायात द्वारा थाना क्षेत्र को0 भिनगा व थाना सिरसिया क्षेत्रांतर्गत विभिन्न स्थानों स्थानीय बाजारों व भीड़-भाड़ वाले स्थानो पर सघन चेकिंग अभियान चलाकर अधिक से अधिक शमन शुल्क अधिरोपित किया गया तथा लाउड हेलर के माध्यम से 13 सितंबर 2025 को होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में अवगत कराया गया तथा समस्त को यातायात नियमों का पालन न करने से होने वाली जान-माल की हानि के बारे मे विस्तृत जानकारी दिया गया।

राप्ती नदी में कटान से किसानों के खेत नदी में समाए धान की फसल नष्ट

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। राप्ती नदी में आई बाढ़ के बाद अब कटान ने विकराल रूप ले लिया है। कटान की चपेट में आने से सैकड़ों बीघा उपजाऊ जमीन नदी में समा चुकी है, जिससे दर्जनों किसानों के खेत और बाग उजड़ गए हैं। कई किसानों ने बताया कि धान की खड़ी फसल भी नदी में समा रही है और अब तक विभागीय अधिकारियों की ओर से कोई मदद नहीं मिली है। जमुनहा तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत कथरामाफी के हसनापुर और घाटेपुरवा गांवों में कटान से भारी नुकसान हुआ है। उपजाऊ खेत नदी में बह गए हैं और सलारूपुरवा व घाटेपुरवा की जमीन भी कटान की चपेट में आकर नदी में समा गई। किसान अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ते दिखाई दे रहे हैं और उन्हें सरकारी मदद का इंतजार है। कटान क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण विभाग के वरिष्ठ इंजीनियरों, उप जिलाधिकारी जमुनहा संजय कुमार राय, पूर्व सांसद व अध्यक्ष जिला पंचायत दद्दन मिश्रा, थाना प्रभारी मल्हीपुर सौरभ सिंह, प्रहलाद सिंह, कमलेश मिश्रा, पूर्व प्रधान राम कुमार तथा ग्राम सभा के नागरिकों ने किया। निरीक्षण के दौरान किसानों ने तत्काल ठोकर बांध निर्माण की मांग उठाई ताकि कटान से बचाव किया जा सके। वहीं ग्रामीणों ने बताया कि कटान से उनके खेतों के साथ-साथ धान की फसल भी नष्ट हो रही है। कई किसान आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं और अब तक प्रशासन की तरफ से कोई राहत नहीं पहुंची है। किसानों ने कहा कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो उनका जीवन-यापन संकट में पड़ जाएगा। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने समस्या को गंभीरता से लिया और शीघ्र आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

If you do not eat meat and fish, then do not worry; 5 things will remove the deficiency of Omega-3 in the body

Are you a vegetarian and think that Omega-3 Fatty Acids are found only in non-vegetarian foods? Then this is absolutely wrong! Yes, our body is not able to make Omega-3 on its own, so it is necessary to take it from food items. Omega-3 is very beneficial for our brain, heart and eyes. In such a situation, let us know about 5 vegetarian foods rich in it. Omega-3 is very important for the body. It also helps in reducing inflammation. Its deficiency can also be overcome with the help of vegetarian foods. If you are a vegetarian and think that Omega-3 can be found only from meat, fish or eggs, then you are wrong. The truth is that nature has given us many such plants, which are rich in Omega-3. This is a nutrient that is very important for our body, especially for the brain and heart. Omega-3 deficiency can cause many problems, such as joint pain, fatigue, dry skin or weakness in memory, but do not panic, because with these 5 vegetarian foods (Vegetarian Foods for Omega-3) you can easily fulfill its deficiency. Flax Seeds Flax seeds are called the powerhouse of Omega-3. One teaspoon of ground flax seeds contains about 2,350 mg of omega-3, which is enough to meet your daily requirement. You can eat it by mixing it in yogurt, smoothie or salad. Chia Seeds Chia seeds are also rich in omega-3. Just two teaspoons of chia seeds contain about 5,000 mg of omega-3. You can make chia pudding by soaking them in water or eat it mixed with porridge. They also help in keeping the body hydrated. Walnuts Walnuts not only look like the brain, but it is also very beneficial for the brain. It is an excellent source of omega-3. Eating a handful of walnuts not only keeps your heart healthy, but also reduces stress. Soybeans Soybeans and their products, such as tofu and soy milk, are also good sources of omega-3. For vegetarians, these are an excellent way to meet the deficiency of both protein and omega-3. Brussels Sprouts These small cabbage-like vegetables are also rich in omega-3. They can be eaten by boiling, roasting or adding them to salads. They not only provide omega-3, but they also contain vitamin K, vitamin C and fiber.

Medical tourism and wellness tourism are not the same, read here what is the difference between the two

Do you know what is wellness tourism and medical tourism? Actually, both these names sound very similar, so people get confused about them many times. But in reality, both are quite different. Let's know what is the difference between medical tourism and wellness tourism (Medical Tourism Vs Wellness Tourism). Many times people also travel due to their health. People are quite confused between medical tourism and wellness tourism. The purpose of both is quite different. Nowadays many people are resorting to tourism to get away from the stress of work and personal life. To relax themselves, people go to a hill station or beach, so that they can get mental peace. In such a situation, words like medical tourism and wellness tourism (Medical Tourism Vs Wellness Tourism) are often heard in the tourism industry. However, both may seem to mean the same when heard for the first time. But in reality, their meanings are quite different. Let us know what is the difference between these two. What is medical tourism? The main purpose of medical tourism is to get treatment for a disease or health problem. In this, a person goes to another country for treatment. People go to other countries in search of high cost of medicines or treatment, long waiting list or better medical treatment in their own country. This includes complex procedures like cardiac bypass, knee transplant, cancer treatment, dental care, cosmetic surgery and fertility treatment. This entire journey is planned according to a medical protocol, which includes pre-operation preparation, hospitalization, surgery and then post-operative care. Here the measure of success is completely medical result, safety and hygiene. In this, the purpose of travel is to cure the disease. What is wellness tourism? On the other hand, the goal of wellness tourism is not to treat the disease, but to improve one's personal well-being. Wellness tourists travel to rejuvenate their body and mind, being stress-free. It includes experiences like yoga and meditation, Ayurvedic detox programs, spa getaways, hiking in nature, workshops at wellness resorts and mindfulness training. The focus in this travel is on the surrounding environment, personal transformation and relaxation. You can understand it like this that medical tourism is for the treatment of a health problem. On the other hand, the purpose of wellness tourism is to relax the mind. Both have become an important part of health care, but the purpose of both is different. How much does it cost? It depends on where you are going. For example, cardiac bypass or knee replacement surgery can be done much cheaper in India than in America and Europe. Similarly, the cost of wellness tourism also depends on where you are going and what activities you are doing.

Are your children misusing pocket money? Identify it in minutes with these 5 ways

By giving pocket money to children, they understand the importance of money and learn to handle it, but sometimes children can also misuse it like spending money unnecessarily, getting into bad habits or spending money without telling. If you are also doubting your child, then you can easily find out with these 5 ways. Children sometimes start misusing pocket money. It is the responsibility of parents to explain to them the difference between right and wrong. With the help of some tips, you can teach them the right use of pocket money. Nowadays, giving pocket money to children has become a common thing. Parents think that with this children will learn the value of money and saving, but do you know whether your children are using the pocket money given by you correctly or not? Many times children start misusing pocket money, which can affect their habits and future. If you are also worried about this, then with these 5 ways you can find out in minutes. Keep an eye on expenses Ask your child from time to time where and how he spent his pocket money. Ask them to make a small diary or keep track of their expenses in a mobile app. If the child hesitates to tell about his expenses or gives evasive answers, then he may be hiding something. Pay attention to increased demand If your child suddenly starts demanding expensive things, like a new video game, gadget or clothes, then this could be a sign. He may be collecting money from his pocket money as well as something else. Ask them calmly why they need these things and whether they have enough money to buy these things. Pay attention to their friends and hobbies Children are often influenced by their friends. If their friends are involved in cigarettes, alcohol or any other bad habit, then there is every possibility that your child is also spending pocket money on wrong things by following them. Apart from this, if the child suddenly starts taking interest in such hobbies which cost a lot of money, then this can also be a matter of concern. Check online transactions Nowadays many children use digital payments. If you have opened a bank account for your child or he uses an online payment app, then check his transactions from time to time. This will let you know where he is sending money or from where he is taking money. Talk to the child openly Most importantly, build an open and honest relationship with your child. Talk to them about the importance of money and the right expenditure. Tell them that pocket money is a responsibility, not just for fun. If you feel that he is misusing the money, then instead of getting angry, explain to him lovingly and show him the right path. By adopting these methods, you can make your child responsible and prepare them to take the right financial decisions in the future.

This actress played the role of Mata 'Sita' in Imagine TV's Ramayan, the mother of two children's look has changed so much now

Imagine TV Ramayan Cast Many serials have been made on the small screen based on Ramayan. Apart from Doordarshan, Imagine TV's Ramayan also became very popular. The look of actress Debina Bonnerjee, who played the role of Mata Sita in this Ramayan, has changed a lot with time. Ramayan came on TV 17 years ago Debina Bonnerjee played the role of Sita Debina married Ram on screen Debina married Ram on screen Ramayan has been the most popular TV show on the small screen. Whether it was telecasted on Doordarshan or Imagine TV. 18 years ago, Ramayan (Imagine TV Ramayan) aired on Imagine TV gained popularity like Ramanand's 80s Ramayan. The cast of this religious serial is still considered a cult. On this basis, we are going to tell you about actress Debina Bonnerjee, who played the role of Mata Sita in Imagine TV's Ramayana, how much her look has changed with time. Now Sita of Imagine TV's Ramayana looks like this. Ramayana TV serial started in the year 2008 under the direction of director Anand Sagar. In which actor Gurmeet Choudhary played the role of Lord Ram and actress Debina Bonnerjee played the role of Mata Sita. After Doordarshan's Ramayana, Imagine TV's Ramayana won the hearts of the small screen audience and the TRP of this show started going very high. Debina left a mark of her brilliant acting in the role of Mata Sita. But with changing times, Debina Banerjee's look has also changed to a great extent. You can easily guess it through these pictures present on Debina's official Instagram handle. Debina Banerjee has now become hotter than before. In real life, she is the wife of Gurmeet Choudhary and they also have two children. Gurmeet and Debina's two daughters are named Liana and Devisha. It is known that Debina Banerjee has given birth to both her daughters through IVF. After becoming the mother of two children, Debina's look has changed to a great extent. However, her impeccable beauty has now improved even more. Let us tell you that these days she is seen in the OTT show Pati Patni Aur Panga with her husband Gurmeet Choudhary. After Debina Banerjee's popular show Ramayan TV serial, Debina Banerjee has appeared in many TV shows. Whose names are as follows - Mayaavi Ramayan Aahat Chidiya Ghar Nach Baliye 6 Santoshi Maa Lal Ishq Vish

'You complete me...', Shahid Kapoor posted a romantic post on wife Mira Rajput's birthday

Shahid Kapoor and Mira Rajput are counted among the most favorite couples in the film world today. Today is Mira's birthday and on this special occasion, the actor left no stone unturned to make his wife feel special. He has shared a lovely post for wife Mira.Mira Rajput is celebrating her birthday today Shahid Kapoor wishes Mira, Shahid calls himself lucky. Some stars in B-town are not only romantic on-screen, but they are also very romantic in real life. Shahid Kapoor is also one of them. His and Mira Rajput's pair is considered one of the most favorite couples of Bollywood. Be it Shahid Kapoor or Mira Rajput, both do not miss a single opportunity to shower love on each other and flirt. Today is Mira's birthday. In such a situation, how can the actor forget to make his wife feel special. He has shared a lovely post for his lady love. Shahid showered love on Mira Shahid Kapoor has shared a series of cute pictures on wife Mira Rajput's 31st birthday. In three solo photos, Mira is posing in a cute style, but the last photo is the most special. In the fourth photo, Shahid is seen kissing his lady love on the cheek. Shahid wrote a note for Mira Sharing the photos, Shahid wrote in the caption, "Happy birthday my love. You complete me. God saved you for me wrapped in a little bundle of happiness and I am lucky that you will be able to stay with me for the rest of your life. Stay happy, stay healthy, express yourself at every opportunity, in every way you like... May your glow fill everything you touch." Shahid and Mira's love story Shahid and Mira had an arranged marriage. Shahid liked Mira, a resident of Delhi, for her simplicity and calm nature. Then both of them took some time to know each other and then got married on 7 July 2015. They got married in a very private ceremony attended by only family and a few close friends. The couple has two children, a daughter Misha Kapoor and a son Zain Kapoor.

How was Gauahar Khan's condition before delivery, the actress shared the video

Gauahar Khan and Zaid Darbar have become parents for the second time. Now 6 days after the delivery, a fun dance video of Gauhar has been shared. In the video, Gauhar is seen dancing in a hospital maternity gown. Her husband Zaid Darbar is also with her in this.Gauhar became the mother of the second childShared the video before delivery, the actress danced fiercelyGauahar Khan and her husband Zaid Darbar have become parents for the second time on September 1 this year. Recently, Zaid Darbar has shared a video from the hospital room in which Gauhar is dancing cool shortly before the delivery.Gauhar flaunted baby bump in viral video This video is now going viral on social media. In the video, Gauhar is seen in her hospital attire and Zaid is also with her. The actress first dances heartily with her hands spread and is seen flaunting her baby bump. The couple danced to The Pussycat Dolls' hit song "Don't You Wish Your Girlfriend Was Hot Like Me". Gauhar shared a video before delivery In the caption of the video, she wrote - '(delivery)...' Fans are giving funny reactions to this video of Gauhar. Many called Gauhar cute. Shura Khan wrote - very cute, Mashallah. Along with this, she also made a heart emoji. Gauhar Khan became the mother of the second child Gauhar Khan and Zaid Darbar shared this post on social media. In the post, he wrote, "Zahan is very happy to share his legacy with his little brother born on September 1, 2025. Wishing everyone's love and blessings for our happy family. Yours sincerely, Zaid and Gauhar." A few weeks ago, Gauhar Khan celebrated a baby shower in which only a few special people from the family were present. He shared its photos on social media.